Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

छत्तीसगढ़ में परिवर्तन यात्रा के द्वितीय चरण का शुभारंभ

वर्ष-18, अंक-19 01-15 अक्टूबर, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम हमारे लोकतंत्र को और सुदृढ़ बनाएगा'

भाजपा मुख्यालय में 22 सितंबर, 2023 को नारी शक्ति वंदन–अभिनंदन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

जशपुर (छत्तीसगढ़) में 15 सितंबर, 2023 को 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाने से पहले अभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 17 सितंबर, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा दिवस के दौरान एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हैदराबाद में 17 सितंबर, 2023 को 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

मंडला (मध्य प्रदेश) में 05 सितंबर, 2023 को जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

12 सितंबर, 2023 को सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समर्पित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और राज्य मंत्री श्री जितेंद्र सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइटः www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 संसद ने पारित किया ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक

जी-20 दिल्ली शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के ठीक बाद संसद का विशेष सत्र 2023 कई मामलों में अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय रहा। इस सत्र में नये संसद भवन में संसदीय कार्यवाही का उद्घाटन और 'संविधान सदन' के रूप में पुराने...

10 अब देश की महिलाएं नीतियों के निर्धारण में भी अपना योगदान देंगी: अमित शाह

'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर चर्चा में भाग...

17 'संविधान सदन' हमारा लगातार मार्गदर्शन करता रहेगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष सत्र के दौरान 19 सितंबर को सेंट्रल हॉल में संसद सदस्यों को संबोधित किया। संसद...

19 नई संसद सिर्फ एक नया भवन ही नहीं बल्कि एक नये शुभारंभ का प्रतीक भी हैः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 सितंबर को नये संसद भवन में राज्यसभा को संबोधित किया...

22 छत्तीसगढ़ः परिवर्तन यात्रा के द्वितीय चरण का शुभारंभ

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 सितंबर, 2023 को जशपुर, छत्तीसगढ़ के रंजीता स्टेडियम...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर विशेष लेख

देश की सेवा, दुनिया का नेतृत्व / **जगत प्रकाश नड्डा** 30

श्रद्धांजलि

केरल भाजपा के पूर्व महामंत्री (संगठन) पीपी मुकुंदन नहीं रहे 29

अन्य

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' हमारे लोकतंत्र को और सुदृढ़ बनाएगा' 07

21वीं शताब्दी महिलाओं की शताब्दीः जगत प्रकाश नड्डा 09

भाजपा महिला मोर्चा ने किया निर्णय का स्वागत 13

भाजपा केंद्रीय कार्यालय में प्रधानमंत्रीजी का अभिनंदन 15

जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता ने हर भारतवासी के दिल को गर्व की भावना से भर दिया 20

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के पहले चरण में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली 21

पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का शुभारंभ 24

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उज्ज्वला योजना के विस्तार को दी मंजूरी 26

मोदी स्टोरी 28

कमल पुष्प 29

लोगों को भारत को एकजुट रखने वाले सनातन को तोड़ने वालों से सचेत रहना चाहिएः नरेन्द्र मोदी 32

प्रकाशक एवं मुद्रकः डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

X

नरेन्द्र मोदी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। यह विधेयक लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार करने का है।

(19 सितम्बर, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

'नारी शक्ति वंदन' शब्दावली हमारी सरकार और प्रधानमंत्रीजी के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। भारत की संस्कृति में महिलाओं का बहुत बड़ा स्थान रहा है।

(21 सितम्बर, 2023)

अमित शाह

महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और सहभागिता मोदी सरकार के लिए श्वास और प्राण के समान हैं।

(20 सितम्बर, 2023)

राजनाथ सिंह

महिला सशक्तीकरण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता और उसके प्रति प्रतिबद्धता रही है। सेना से लेकर सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। महिलाओं के सक्रिय भागीदारी के बिना विकसित भारत का सपना साकार नहीं होगा। ऐसे में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लाना एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है।

(19 सितम्बर, 2023)

बी.एल. संतोष

जहां चाह, वहां राह! प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसे बार-बार साबित किया है। चाहे वह जनधन खाते हों या शौचालय या गति शक्ति या धारा 370 को निरस्त करना और अब महिला आरक्षण बिल। बधाई हो।

(21 सितम्बर, 2023)

सुधा यादव

माननीय मोदीजी का आभार...नारी शक्ति को दिया अधिकार...संसद के दोनों सदनों में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023' के पारित होने पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी का भाजपा मुख्यालय में स्वागत और अभिनंदन किया। यह बिल आजादी के अमृतकाल में नए भारत के नव निर्माण की ओर भाजपा का बड़ा कदम है। नारी सशक्तीकरण के इतिहास में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। (22 सितम्बर, 2023)

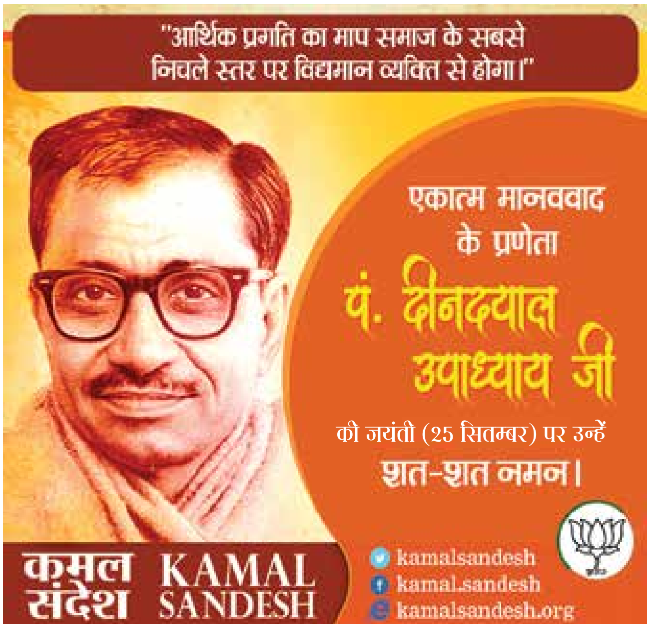

कमल संदेश परिवार की ओर से सुधी पाठकों को

नवरात्रि (15 अक्टूबर)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ एक नए युग की शुरुआत

संपादकीय

‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ देश में एक नए युग की शुरुआत है। इस अधिनियम में लोकसभा, राज्य की विधानसभाओं एवं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। अमृतकाल में यह भारतीय राजनीति की दशा एवं दिशा को बदलने वाला अधिनियम है। ध्यान देने योग्य है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का निर्णय पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय तक; कभी कुछ राजनैतिक दलों के विरोध या किसी और बहाने से लटका रहा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति और अटूट संकल्प का ही परिणाम है कि यह अधिनियम लोकसभा में 454-2 के भारी बहुमत एवं राज्यसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ। इस अधिनियम पर राष्ट्रीय सर्वानुमति दोनों सदनों में इसे मिले व्यापक समर्थन में परिलक्षित होता है। देश के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने में इस अधिनियम की भूमिका देशभर में इसके शानदार स्वागत में देखा जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ से राष्ट्र-निर्माण में महिलाओं की न केवल भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि इससे देश की राजनीति तथा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन होगा। यह विकसित भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

> **इसमें कोई संदेह नहीं है कि ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ से राष्ट्र-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि इससे देश की राजनीति तथा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन होगा**

जहां ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ का पारित होना भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं संसद का विशेष सत्र जिसमें यह पारित हुआ, कई अन्य कारणों से भी ऐतिहासिक रहा है। संसद का यह विशेष सत्र नए संसद भवन में संसदीय कार्यवाही के शुभारंभ के लिए भी जाना जाएगा, जिससे पूरे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा प्रवाहित हो रही है। पुराना संसद भवन जो अब ‘संविधान सदन’ के नाम से जाना जा रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में ‘आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।’ संसदीय लोकतंत्र के उच्च आदर्श, इसकी गौरवशाली परंपराएं और इसकी प्रेरणादायी विरासत का पुनः एक बार पूरे देश ने साक्षात्कार किया जब नए संसद भवन में प्रवेश करने से पूर्व सभी सांसदों ने पुराने भवन में संपन्न संसद के संयुक्त सत्र में अपने विचार रखे एवं पुरानी यादों को ताजा किया। नए संसद भवन में संसद के 75 वर्षों की यात्रा, जी-20 शिखर सम्मेलन का अत्यंत सफल आयोजन एवं चंद्रयान-3 मिशन की जबरदस्त सफलता पर सांसदों के उद्‌गार को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। देश की हाल की उपलब्धियां जिसे पूरे विश्व में सराहा जा रहा है, विश्व में भारत के बढ़ते हुए कद को परिलक्षित करता है। नया संसद भवन न केवल भविष्योन्मुखी योजना के साथ नवीनतम तकनीक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त है, बल्कि यह विकसित भारत की कल्पना, दृष्टि, भव्यता एवं राष्ट्रीय संकल्प को भी दर्शाता है।

संसद की 75 वर्षों की यात्रा पर सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अमृतकाल के सुबह की प्रथम प्रभा देश को नए आत्मविश्वास, नए उत्साह, नए संकल्प एवं नई शक्ति से भर रहा है। ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ का पारित होना उनके इन्हीं शब्दों का परिचायक है। नारी सशक्तीकरण से नारी-नीत विकास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मंत्र है, जिसे उन्होंने अपने कई नारी केंद्रित अभिनव योजनाओं के माध्यम से यथार्थ के धरातल पर उतारा है। एक ओर जहां भाजपा हमेशा से विधायिकाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रही है, वहीं दूसरी ओर इसने नारी शक्ति के लिए न्याय, नारी सशक्तीकरण एवं नारी-नीत विकास को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि आज देश में भाजपा एकमात्र ऐसा राजनैतिक दल है, जिसमें पार्टी पदों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत का आरक्षण है। जहां दूसरे राजनैतिक दलों ने इस अधिनियम का या तो विरोध किया या दिखावटी समर्थन किया, भाजपा का इस विधेयक पर गैर-समझौतावादी रुख एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के परिणामस्वरूप यह अधिनियम संसद में व्यापक समर्थन से पारित हुआ। अब जबकि देश की नारी शक्ति देश की विधायिकाओं में अपना उपयुक्त स्थान प्राप्त करने जा रही हैं, इस कदम से देश की राजनीति में क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे तथा 2047 तक विकसित भारत बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

संसद ने पारित किया ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक

यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि उन अनगिनत महिलाओं का सम्मान है जिन्होंने हमारे देश को बनाया है: नरेन्द्र मोदी

जी-20 दिल्ली शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के ठीक बाद संसद का विशेष सत्र 2023 कई मामलों में अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय रहा। इस सत्र में नये संसद भवन में संसदीय कार्यवाही का उद्घाटन और 'संविधान सदन' के रूप में पुराने संसद भवन का पुनर्नामकरण हुआ। इस सत्र के दौरान ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पारित हुआ जिससे लोकसभा, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित होंगी।

इस लोकसभा की उत्पादकता दर 161.5% थी, जिसमें व्यवधान/जबरन स्थगन के कारण कोई समय बर्बाद नहीं हुआ। लोकसभा में 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की तथा राज्यसभा में इस विषय पर चर्चा का प्रारंभ सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने किया। दोनों सदनों में चंद्रयान-3 मिशन की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र की अन्य उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत द्वारा प्रेरित अपने परिवर्तनकारी अमृत काल पर अग्रसर है। मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत संविधान (128वां) संशोधन विधेयक, 2023 इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। यह संविधान संशोधन 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राष्ट्रीय और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित करने की भाजपा की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

संसद के दोनों सदनों ने विशाल बहुमत से महिला आरक्षण विधेयक पारित कर दिया। लोकसभा ने इस विधेयक को प्रचंड बहुमत 454-2 से पारित किया, जबकि राज्यसभा ने इसे सर्वसम्मति 215-0 से पारित कर दिया।

इससे पहले गणेश उत्सव के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन में सासंदों का नेतृत्व किया। इसके अलावा पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में एक संयुक्त सत्र बुलाया गया, जिसमें भारतीय संसद की श्रेष्ठतम परंपरा का स्मरण किया गया और भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र में बदलने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर किया संबोधित

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम हमारे लोकतंत्र को और सुदृढ़ बनाएगा'

इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार करना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 सितंबर को संसद के नये भवन में लोकसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि आज नए संसद भवन में ऐतिहासिक प्रथम सत्र है। इस अवसर पर उन्होंने शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने नई संसद के पहले दिन विशेष सत्र में सदन को संबोधित करने का अवसर प्रदान करने के लिए अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया और सदन के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह अमृत काल की सुबह

इस अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि यह अमृत काल की सुबह है क्योंकि भारत नई संसद भवन की ओर अग्रसर होकर भविष्य के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने विज्ञान क्षेत्र में चंद्रयान 3 की सफलताओं और जी-20 के आयोजन तथा वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एक अनूठा अवसर उपस्थित हुआ है और इसी आलोक में देश का नया संसद भवन आज कार्यशील हो रहा है।

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भगवान गणेश समृद्धि, शुभता, तर्क और ज्ञान के देवता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह संकल्पों को पूरा करने और नए उत्साह तथा ऊर्जा के साथ नई यात्रा शुरू करने का समय है।" श्री मोदी ने गणेश चतुर्थी और नई शुरुआत के अवसर पर लोकमान्य तिलक का स्मरण करते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गणेश चतुर्थी को पूरे देश में स्वराज की अलख जलाने का माध्यम बना दिया था। श्री मोदी ने कहा, "आज हम उसी प्रेरणा से आगे बढ़ रहे हैं।"

श्री मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि आज क्षमा का त्योहार संवत्सरी पर्व भी है। प्रधानमंत्री ने विस्तार से बताया कि यह त्योहार किसी भी जानबूझकर और अनजाने कृत्यों के लिए क्षमा मांगने के बारे में है, जिसके कारण किसी को ठेस पहुंची हो। श्री मोदी ने भी त्योहार की भावना से सभी को 'मिच्छामि दुक्कडं' कहा और अतीत की सभी कड़वाहटों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की अपील की।

पवित्र सेंगोल की उपस्थिति

प्रधानमंत्री ने पुराने और नए के बीच एक कड़ी और स्वतंत्रता की पहली रोशनी के साक्षी के रूप में पवित्र सेंगोल की उपस्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र सेंगोल को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने स्पर्श किया था। श्री मोदी ने कहा कि इसलिए सेंगोल हमें हमारे अतीत के एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्से से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नये भवन की भव्यता अमृत काल का अभिषेक करती है और उन्होंने उन श्रमिकों और इंजीनियरों की कड़ी मेहनत को याद किया जो महामारी के दौरान भी भवन के लिए काम करते रहे। श्री मोदी सहित पूरे सदन में इन श्रमिकों और इंजीनियरों के लिए तालियां बजाईं। उन्होंने बताया कि 30 हजार से अधिक श्रमिकों ने निर्माण में योगदान दिया और श्रमिकों का पूरा विवरण देने वाली एक डिजिटल पुस्तक की उपस्थिति का उल्लेख किया।

हमारे कार्यों पर अनुभूतियों और भावनाओं के प्रभाव के बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज हमारी भावनाएं हमारे आचरण में हमारा मार्गदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा, "भवन बदल गया है, भाव भी बदलना चाहिए।"

देश की सेवा करने के लिए संसद सर्वोच्च पद

प्रधानमंत्री ने कहा, "देश की सेवा करने के लिए संसद सर्वोच्च पद है।" उन्होंने रेखांकित किया कि सदन किसी राजनीतिक दल के लाभ के लिए नहीं है, बल्कि केवल राष्ट्र के विकास के लिए है। श्री मोदी ने कहा कि सदस्यों के रूप में हमें अपने शब्दों, विचारों और कार्यों से संविधान की भावना को बनाए रखना चाहिए। श्री मोदी ने अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि प्रत्येक सदस्य सदन की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा और उनके मार्गदर्शन में काम करेगा।

हमने स्थानीय निकायों के चुनावों में महिलाओं के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया। इससे भी अधिक एक सुःखद संयोग है कि राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रीय संसद में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव अब आकार ले रहा है। लैंगिक न्याय के लिए हमारे समय में यह सबसे परिवर्तनकारी क्रांति होगी।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

नए संसद भवन की इससे बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती थी! आज, एक राष्ट्र के रूप में हमने महिला सशक्तीकरण के एक नए युग में प्रवेश किया है। संसद के दोनों सदनों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के पारित होने के साथ हम महिलाओं के लिए लंबे समय से लंबित अधिकार को प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़े हैं।

हमारी नारी शक्ति ने पहले ही जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी योग्यता साबित की है, और अब यह जरूरी है कि वे कानून बनाने की प्रक्रियाओं में भी बढ़-चढ़कर भाग लें और अमृत काल में हमारे देश के विकास में योगदान दें।

यह विधेयक न केवल विधायिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा, बल्कि हमारी सभी महिलाओं को 'आत्मनिर्भर भारत' को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। मैं महिलाओं को सशक्त बनाने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि सदन में सदस्यों का व्यवहार उन कारकों में से एक होगा जो यह निर्धारित करेगा कि वे सत्ता पक्ष का हिस्सा होंगे या विपक्ष का क्योंकि सभी कार्यवाही जनता की दृष्टि के समक्ष हो रही है।

सामान्य कल्याण के लिए सामूहिक संवाद और कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री मोदी ने लक्ष्यों की एकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम सभी को संसदीय परंपराओं की लक्ष्मण रेखा का पालन करना चाहिए।"

समाज के प्रभावी परिवर्तन में राजनीति की भूमिका को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने अंतरिक्ष से लेकर खेल तक के क्षेत्रों में भारतीय महिलाओं के योगदान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने स्मरण किया कि किस प्रकार विश्व ने जी-20 के दौरान महिला-नीत विकास की अवधारणा को अपनाया था। श्री मोदी ने कहा कि इस दिशा में सरकार के कदम सार्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनधन योजना के 50 करोड़ लाभार्थियों में से अधिकतर खाते महिलाओं के हैं। श्री मोदी ने मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना जैसी स्कीमों में महिलाओं के लिए लाभ का भी उल्लेख किया।

इतिहास की रचना का क्षण

यह देखते हुए कि किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में एक समय ऐसा आता है जब इतिहास रचा जाता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का अवसर भारत की विकास यात्रा में वह क्षण है जब इतिहास रचा जा रहा है। महिला आरक्षण पर संसद में हुई चर्चा और विचार-विमर्श पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि इस मुद्दे पर पहला विधेयक पहली बार 1996 में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि अटलजी के कार्यकाल में इसे कई बार सदन में पेश किया गया था, लेकिन सरकार महिलाओं के सपनों को वास्तविकता में परिणत करने के लिए अपेक्षित संख्या में समर्थन नहीं जुटा सकी।

श्री मोदी ने कहा, "मुझे विश्वास है कि भगवान ने मुझे इस काम को पूरा करने के लिए चुना है।" उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संसद में महिलाओं के आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया, "19 सितंबर, 2023 का यह ऐतिहासिक दिन भारत के इतिहास में अमर रहेगा।" हर सेक्टर में महिलाओं के बढ़ते योगदान को देखते हुए श्री मोदी ने नीति-निर्माण में अधिक महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि राष्ट्र में उनका योगदान और बढ़ सके। उन्होंने सदस्यों से इस ऐतिहासिक दिन पर महिलाओं के लिए अवसरों के द्वार खोलने का आग्रह किया।

महिला-नीत विकास

प्रधानमंत्री ने समापन करते हुए कहा, "महिला-नीत विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार आज एक प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश कर रही है। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार करना है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम हमारे लोकतंत्र को और सुदृढ़ करेगा। मैं देश की माताओं, बहनों और बेटियों को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए बधाई देता हूं। मैं देश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों को आश्वस्त करता हूं कि हम इस विधेयक को कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि मैं इस सदन में सभी साथियों से अनुरोध भी करता हूं और अपील भी करता हूं कि एक शुभ मांगलिक शुरुआत हो रही है, अगर सर्वसम्मति से ये विधेयक कानून बन जाता है तो इसकी शक्ति कई गुना बढ़ जाएगी। इसलिए, मैं दोनों सदनों से अनुरोध करता हूं कि विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया जाए।" ■

21वीं शताब्दी महिलाओं की शताब्दीः जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 सितंबर को राज्यसभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर बहस में भाग लेते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को स्थान देने में हमेशा अग्रसर रही है। भाजपा पहली और अकेली पार्टी हैं, जो संवैधानिक तौर पर महिलाओं को हर समिति में 33 प्रतिशत आरक्षण देती है। यहां हम अपने सुधी पाठकों के लिए बहस का सारांश प्रकाशित कर रहे हैं:

हम सब जानते हैं कि इस नये संसद भवन की शुरुआत गणेश उत्सव के दिन से प्रारम्भ हुई और कल लोक सभा में यह 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' निर्विघ्न पास हुआ। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आज यहां राज्य सभा में भी यह विधेयक किसी भी विघ्न के बगैर सर्वसम्मति से पारित होगा।

- मैं अपने प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस विधेयक को लाकर लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण के विषय को एक निर्णायक मोड़ पर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने भारत की नारी की दशा को सुधारने और उसकी स्थिति एवं दिशा समाज में मजबूती से आगे बढ़े, इसके लिए बहुत ही कारगर कदम उठाए हैं।
- विधेयक के नाम के बारे मे कई लोगों का अपना-अपना मत हो सकता है, लेकिन 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' की शब्दावली ही अपने आप में हमारी सरकार की, हमारे प्रधानमंत्री जी की और समाज में महिलाओं को देखने के हमारे दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है।
- मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारत की संस्कृति में महिलाओं का बहुत बड़ा स्थान रहा है। यह हमारा और आपका नहीं है, हमारे पूर्वजों ने हमारी संस्कृति ने महिलाओं को जिस तरीके से समाज में प्रतिस्थापित किया, वह यह बताता है कि हमेशा ही हमारी संस्कृति में महिलाओं का स्थान उज्ज्वल रहा है। इसलिए वे 'पिछड़ी' हैं, वे 'असहाय' हैं, वे 'अबला नारी' हैं यह शब्दावली हमारी नहीं रही है।
- प्रधानमंत्री जी जब कहते हैं 'महिला सशक्तीकरण', तो वे हमेशा 'महिला-नीत विकास' की बात करते है। भारतीय संस्कृति में नारी का आर्थिक स्वायत्तता मे हमेशा स्थान रहा है। उसके सामाजिक जीवन में आर्थिक स्वायत्तता रही है। अध्यात्म से लेकर अध्यापन तक नारी का विशेष योगदान रहा है।
- जब हम गुलामी के काल से गुजरे, मध्यकाल से गुजरे तो उस समय पर्दा प्रथा से लेकर महिलाओं का कुछ जो उत्थान का स्थान था, उसमे कमी आयी। वैदिक काल में भी हमारे यहां विदुषियों की कोई कमी नहीं थी।
- मैं यह भी बोलना चाहूंगा कि आज के युग में भी अगर हम देखें, तो 21वीं शताब्दी महिलाओं की शताब्दी है। फिर चाहे ज्ञान हो, विज्ञान हो, सैन्य शिक्षा हो, सैन्य सुरक्षा हो या अर्थ जगत हो, हमे खुशी है कि आज हमारे भारत की महिलाएं अपने आपको नेतृत्व की भूमिका में लेकर आई हैं। आज सॉफ्टवेयर की दुनिया में हमारी 21 प्रतिशत महिलाएं ऐसी है, जो नेतृत्व की भूमिका में हैं। इसलिए जब हम 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' को लाकर उनका सशक्तीकरण कर रहे हैं, तो यह हम उनके ऊपर एहसान नहीं कर रहे हैं, बल्कि यह उनका सम्मान है, यह उनका सशक्तीकरण है। यह उनकी सहभागिता को बढ़ाने का कार्य है।
- मै यहां यह भी कहना चाहता हूं कि हम कुछ धारणाएं बदल दें। मैं यह अपने आधार पर नहीं कह रहा हूं, बल्कि शोध के आधार पर कह रहा हूं। शोध ने यह बताया है कि महिलाओं की संवेदनशीलता ज्यादा है और संवेदनशीलता वाले विषयों पर निर्णय लेने की उनकी क्षमता ज्यादा तेज है। शोध यह भी बताती है कि जन प्रतिनिधि के रूप में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक सुलभ हैं। जहां महिला प्रतिनिधि होती है, वहां भ्रष्टाचार का स्तर कम होता है।
- कुछ सदस्यगण ने सुझाव दिया कि इस विधेयक को अभी से लागू कर दिया जाए। मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं कि कुछ संवैधानिक व्यवस्थाएं होती हैं और कुछ संवैधानिक तरीके से कार्य करना का तरीका होता है। महिलाओं के लिए कौन-सी सीटें आरक्षित करनी हैं इसका फैसला सरकार नहीं बल्कि एक अर्ध-न्यायिक निकाय करता है। उसको नामित करना पड़ता है। भारतीय जनता पार्टी का इस विधेयक से कोई राजनीतिक लाभ लेने का इरादा नहीं है, बल्कि हमारा उद्देश्य महिलाओं का सही मायने में सशक्तीकरण करने का है।
- भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में मैं यहां यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को स्थान देने में हमेशा अग्रसर रही है। हम पहली पार्टी और अकेली पार्टी हैं, जो संवैधानिक तौर पर महिलाओं को हर समिति में 33 प्रतिशत आरक्षण देती है।
- मोदीजी के नेतृत्व में प्रथम महिला विदेश मंत्री मैडम सुषमा स्वराजजी, प्रथम महिला वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमणजी बनीं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की बात करते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कहा था कि हम लड़कों की चिंता तो करते हैं, लेकिन लड़कियों

शेष पृष्ठ 13 पर...

केन्द्रीय गृह मंत्री ने लोक सभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर हुई चर्चा में हिस्सा लिया

अब देश की महिलाएं नीतियों के निर्धारण में भी अपना योगदान देंगी: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 20 सितम्बर को लोक सभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर चर्चा में हिस्सा लिया। चर्चा में बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि 19 सितम्बर, 2023 का दिन भारतीय संसद के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा, क्योंकि इस दिन गणेश चतुर्थी के अवसर पर नई संसद में पहली बार कामकाज हुआ और वर्षों से लंबित महिलाओं को आरक्षण का अधिकार देने वाला बिल सदन में पेश हुआ। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हृदय से धन्यवाद देना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री जी ने 140 करोड़ की आबादी में 50 प्रतिशत हिस्से वाली मातृशक्ति को सच्चे अर्थों में सम्मानित करने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि इस संविधान संशोधन के पारित होने के साथ ही लोक सभा और राज्यों की विधानसभाओं में एक-तिहाई स्थान देश की महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएगा। इस विधेयक के पास हो जाने के साथ ही महिलाओं की अपने अधिकारों के लिए चली आ रही एक लंबी लड़ाई का अंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन में "महिला-नीत विकास" की परिकल्पना विश्व के सामने रखी और इस विधेयक के पारित होने के साथ ही नए युग की शुरुआत होगी, क्योंकि अब इस देश की महिलाएं न केवल नीतियों में भागीदार बनेंगी, बल्कि नीतियों के निर्धारण में भी अपना योगदान देंगी

'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पर चर्चा में भाग लेते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि कुछ दलों के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक एजेंडा हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के लिए महिला सशक्तीकरण मान्यता का मुद्दा है।

उन्होंने कहा कि 2014 में देश की महान जनता ने 30 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का निर्णय लिया। 2014 में प्रधानमंत्री का पदभार सम्भालने के दिन से ही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सहभागिता श्री नरेन्द्र मोदी जी नेतृत्व में सरकार की श्वास और प्राण बने हुए हैं।

श्री शाह ने कहा कि 2014 में जब मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने, उस वक्त देश के 70 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके घरों में बैंक खाता नहीं था। मोदी जी ने जन-धन योजना शुरू की और बैंक खाता खोलने का अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 52 करोड़ बैंक खाते खोले गए, जिनमें से 70 प्रतिशत बैंक खाते माताओं के नाम से खोले गए। उन्होंने कहा कि जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं, वह महिलाओं को कमजोर कहने की गलती नहीं करेंगे।

आज देश में महिला सशक्तीकरण हुआ है

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज देश में महिला सशक्तीकरण हुआ है और सारी योजनाओं का पैसा सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल ने इस देश में 5 दशकों से अधिक शासन किया, देश में 11 करोड़ परिवार ऐसे थे जिनके पास शौचालय नहीं था। गरीबी हटाओं के नारे दिए गए, लेकिन गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई थी।

उन्होंने कहा कि जब घर में शौचालय नहीं होता है तो सबसे ज्यादा तकलीफ युवा पुत्री, बहन और मां को होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहले 5 साल के अंदर ही 11 करोड़ 72 लाख शौचालय बना दिए, जिनसे माताओं, बहनों और बेटियों का सम्मान और सशक्तीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि देश के 10 करोड़ परिवार धुएं में जीने को मजबूर थे, लेकिन मोदी जी ने 10 करोड़ घरों में एलपीजी का मुफ्त कनेक्शन देकर महिलाओं का सशक्तीकरण करने का काम किया है। श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने 3 करोड़ से अधिक महिलाओं को उनके नाम से घर देने का काम किया।

श्री शाह ने कहा कि देश के 12 करोड़ घर ऐसे थे, जहां पीने का पानी नहीं था, मोदी जी ने 12 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने

का काम किया। उन्होंने कहा कि देश के 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो अनाज फ्री देने का काम मोदी जी ने किया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 3 करोड़ 18 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले, 3 करोड़ महिलाओं को मातृ वंदन योजना के तहत फायदा पहुंचाया और लगभग 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का काम किया।

श्री शाह ने कहा कि दुनियाभर में आज महिला पायलट्स की संख्या 5 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 15 प्रतिशत है, इसे सशक्तीकरण कहते हैं।

महिलाएं पुरुषों से भी अधिक सशक्त

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि महिलाएं पुरुषों से भी अधिक सशक्त हैं और इस विधेयक से अब डिसिज़न और पॉलिसी मेकिंग में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ये बिल समाज व्यवस्था की त्रुटि को सुधारने, महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ाने और उनका सम्मान करने के लिए लेकर आई है। उन्होंने कहा कि आज ये एक ऐसा मौका है जब इस सदन को पूरे विश्व को एक संदेश देने की ज़रूरत है कि मोदी जी की 'महिला-नीत विकास' की कल्पना को पूरा करने के लिए पूरा सदन एकमत है।

देश के 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो अनाज फ्री देने का काम मोदी जी ने किया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 3 करोड़ 18 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले, 3 करोड़ महिलाओं को मातृ वंदन योजना के तहत फायदा पहुंचाया और लगभग 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का काम किया

श्री अमित शाह ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक लाने के पहले की सरकारों द्वारा चार प्रयास हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक सबसे पहली बार 1996 में देवेगौड़ा सरकार लेकर आई, इसके बाद इसे सीमा मुखर्जी की अध्यक्षता वाली एक समिति को दे दिया गया और समिति ने अपनी रिपोर्ट भी दे दी, लेकिन फिर वो विधेयक कभी इस सदन तक नहीं पहुंचा।

उन्होंने कहा कि इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार 1998 में ये विधेयक लेकर आई, लेकिन विपक्ष ने इसे सदन में पेश ही नहीं करने दिया। श्री शाह ने कहा कि इसके बाद एक बार फिर अटल जी की सरकार बिल लेकर आई, लेकिन एक बार फिर इस पर चर्चा नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि इसके बाद फिर डॉ. मनमोहन सिंह जी की सरकार संशोधन विधेयक राज्य सभा में लेकर आई, जहां पारित होने के बाद ये विधेयक लोक सभा में आ ही नहीं सका।

डिलिमिटेशन कमीशन लाने के पीछे एकमात्र उद्देश्य पारदर्शिता लाना

केन्द्रीय गृह मंत्री ने पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि सब एकत्रित होकर इस नई शुरुआत के माध्यम से आज सर्वानुमति से संविधान को संशोधित कर मातृशक्ति को आरक्षण देने का काम करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रावधान के अनुसार संसद में चुनकर आने वाले सदस्यों की तीनों श्रेणियों– सामान्य (जिसमें ओबीसी शामिल है), अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति – में मोदी सरकार ने 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दे दिया है।

उन्होंने कहा कि इस संविधान संशोधन की धारा 330 (ए) और धारा 332 (ए) के माध्यम से महिला आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही तीनों श्रेणियों में वर्टिकल आरक्षण देकर एक-तिहाई सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। श्री शाह ने कहा कि डिलिमिटेशन कमीशन हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित करने वाली एक महत्वपूर्ण इकाई का कानूनी प्रावधान है और वो नियुक्ति से होता है, लेकिन क्वासी ज्यूडिशियल प्रोसीडिंग्स होती हैं।

उन्होंने कहा कि इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करते हैं और इसमें चुनाव आयुक्त के एक प्रतिनिधि भी होते हैं। श्री शाह ने कहा कि जिन एक-तिहाई सीटों को रिज़र्व करना है, उन सीटों का चयन डिलिमिटेशन कमीशन करेगा। ये कमीशन हर राज्य में जाकर, ओपन हियरिंग देकर एक पारदर्शी पद्धति से इसके लिए नीति-निर्धारण करता है।

उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन कमीशन लाने के पीछे एकमात्र उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। श्री शाह ने कहा कि इस कमीशन के गठन से किसी प्रकार की देरी नहीं होगी, चुनाव के बाद जनगणना और डिलिमिटेशन दोनों होंगे और जल्द ही वो दिन आएगा, जब इस सदन में एक-तिहाई महिला सांसद बैठकर देश के भाग्य को तय करेंगी।

प्रधानमंत्री जी ने किया 'मन से पिछड़े वर्ग का कल्याण'

श्री अमित शाह ने कहा कि मन से पिछड़े वर्ग का कल्याण करने का काम देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में अपने पहले भाषण में मोदी जी ने कहा था कि उनकी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, महिलाओं की सरकार है। आज देश के 80 करोड़ गरीबों को घर, शौचालय बिजली, पानी, दवाई, गैस सिलिंडर और खाने के लिए अनाज देने के बाद आज महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण नरेन्द्र मोदी सरकार लेकर आई है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने कभी ओबीसी प्रधानमंत्री नहीं बनाया। गृह मंत्री ने सभी से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस विधेयक का समर्थन करने का अनुरोध किया। ■

यह संविधान संशोधन विधेयक महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बढ़ता हुआ कदमः अर्जुन राम मेघवाल

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने 20 सितंबर को लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' प्रस्तुत करते समय कहा कि इस विधेयक से महिलाओं की प्रतिष्ठा तो बढ़ेगी ही, उन्हें रिप्रेजेन्टेशन भी मिलेगा। यहां प्रस्तुत है उनके संबोधन की प्रमुख बातें:

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि यह संविधान संशोधन विधेयक है और महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बढ़ता हुआ कदम है। यह अमृत काल की बेला में भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने कहा था कि 26 जनवरी, 1950 को राजनीतिक समानता तो प्राप्त हो जाएगी, लेकिन सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र में मौजूद असमानता को सरकारों को दूर करना होगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2014 से ही सामाजिक, आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए बहुत सी योजनायें बनाई हैं, जिनमें महिला सशक्तीकरण की अनेक योजनायें भी सम्मिलित हैं। आज इस विधेयक से महिलाओं की प्रतिष्ठा तो बढ़ेगी ही, उन्हें रिप्रेजेन्टेशन भी मिलेगा। इस विधेयक के माध्यम से हम संविधान के अनुच्छेद 239 में 239कक जोड़ रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की विधान सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री ने कहा कि हम दूसरा क्लॉज़ 3 जोड़ रहे हैं, जिसके अंतर्गत संविधान के अनुच्छेद 330 में 33क जोड़ रहे हैं। जिसके अनुसार लोक सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। यह बहुत बड़ा कदम है। संविधान के अनुच्छेद 332 के बाद एक नया अनुच्छेद 33क जोड़ा जा रहा है, जिसके अनुसार हम महिलाओं के लिए राज्य विधान सभाओं में 33 प्रतिशत सीटों का प्रावधान करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह आरक्षण 15 सालों के लिए प्रभावी रहेगा। 15 सालों के बाद इसे बढ़ाने का अधिकार संसद को ही रहेगा। इतिहास में जाए, तो इस विधेयक को 9 मार्च, 2010 को राज्य सभा में चर्चा के लिए लाया गया था। इस पर दो दिन चर्चा हुई और चर्चा के दौरान इस विधेयक का काफी विरोध भी हुआ। भारतीय जनता पार्टी ने इस विधेयक का खुले मन से समर्थन किया था। राज्य सभा में पारित होने के बाद यह विधेयक लोक सभा में भेजा गया, पर यह विधेयक लोक सभा में कभी चर्चा के लिए नहीं लाया गया और 18 मई, 2014 को लोक सभा के भंग होने के साथ ही यह विधेयक व्यपगत (lapse) हो गया। वस्तुतः यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक है। इस पर चर्चा प्रारंभ की जाए और सर्वसम्मति से इसे पारित करने का प्रयास किया जाए। ■

संसद के विशेष सत्र की मुख्य बातें

नारी शक्ति वंदन विधेयक पर चर्चा

- केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री; संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा और राज्यसभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' प्रस्तुत किया।
- लोकसभा में हुई चर्चा में 60 सदस्यों ने हिस्सा लिया। विधेयक के पक्ष में 454 सांसदों ने मतदान दिया, जबकि दो सांसदों ने इसके विरुद्ध मतदान किया।
- राज्यसभा में हुई चर्चा में 70 सदस्यों ने हिस्सा लिया। राज्यसभा ने सर्वसम्मति से विधेयक को पारित कर दिया, जिसमें 215 सांसदों ने इसके पक्ष में मतदान किया और किसी ने भी इसके विरुद्ध मतदान नहीं किया।
- विधेयक के पारित होने के बाद महिला सांसदों ने इस ऐतिहासिक कानून के अधिनियमन को सुनिश्चित करने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उनके दृष्टिकोण और नेतृत्व के लिए हार्दिक अभिनन्दन और धन्यवाद ज्ञापित किया।

चंद्रयान-3 और अंतरिक्ष क्षेत्र पर चर्चा

- दोनों सदनों ने भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र और चंद्रयान-3 की सफलता पर व्यापक चर्चा की।
- राज्यसभा में चर्चा 20 सितंबर, 2023 को हुई जिसमें 35 सांसदों ने हिस्सा लिया, जबकि लोकसभा में चर्चा 21 सितंबर को हुई जिसमें 87 सांसदों ने हिस्सा लिया। ■

भाजपा महिला मोर्चा ने किया निर्णय का स्वागत

भाजपा, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन ने कहा कि आज, 19 सितंबर, 2023 का दिन भारत के 75 साल के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो जाएगा उस दिन के रूप में, जब देश की आधी आबादी को देश की सर्वोच्च कानून बनानेवाली संस्था में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलेगा।

श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा कि भारत की संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए 33 प्रतिशत कोटा प्रदान करने के लिए 128वें संविधान संशोधन विधेयक, 2023 की शुरुआत, जिसे महिला आरक्षण विधेयक के रूप में भी जाना जाता है, 'नारी शक्ति' जो 'राष्ट्र शक्ति' भी है, की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब 2047 तक अमृतकाल में भारत को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए महिलाओं और राष्ट्र दोनों को सशक्त किया जा रहा है। मैं, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और तमिलनाडु के विधायक के रूप में इस ऐतिहासिक विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, उनके मंत्रिपरिषद और भाजपा को धन्यवाद देती हूं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदीजी की मंत्रिपरिषद् ने भी 2021 में 11 महिलाओं को कैबिनेट रैंक व राज्य मंत्री के मंत्री बनाकर इतिहास रचा था। एक बार जब यह महिला आरक्षण विधेयक भारत की संसद द्वारा पारित हो जायेगा, तो हम कह सकते हैं कि यह उपलब्धि देश के विधायी निकायों में महिलाओं को वास्तविक प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए यह दिन इतिहास के स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। भारतीय जनता महिला मोर्चा प्रधानमंत्रीजी का विशेष तौर पर और शीर्ष नेतृत्व का हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद करता है। ■

पृष्ठ 9 का शेष...

की चिंता नहीं करते हैं। हमे उनके बारे में भी चिंता करनी चाहिए। इस पर भी बहुत कटाक्ष हुए थे, लेकिन आज मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम जन्म के समय लिंग अनुपात लेवल में 19 प्वाइंट्स आगे बढ़कर आ गए हैं। महिलाओं का लिंग अनुपात बढ़ गया है।

- आज 12 करोड़ बहनों को इज्जत घर दिए गए हैं। उन्हें इज्जत देने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। आपको जानकर खुशी होगी कि 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में 69 प्रतिशत स्वामित्व, संयुक्त रूप या व्यक्तिगत रूप से महिलाओं के पास है। महोदय, ऐसी 9.58 करोड़ बहने हैं, जिन्हें एलपीजी गैस का कनेक्शन दिया गया है। आज 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से दस करोड़ घरों को पानी के कनेक्शन की कवरेज दी जा रही है।
- ये तुष्टीकरण की राजनीति करते थे, ये वोट बैंक की राजनीति करते थे। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की इच्छाशक्ति थी, आज ट्रिपल तलाक खत्म हो गया और मुस्लिम महिलाओं को इज्जत से जीने का अधिकार अगर किसी ने दिया, तो प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिया।
- इन सारे महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रमों के माध्यम से देश को आगे बढ़ाने का काम किया गया है। इसी में आज एक नई कड़ी जुड़ रही है और वह 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' को पास करना है। मैं यह कहना चाहता हूं कि सब लोगों को साथ मिलकर इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए और इसे पारित करना चाहिए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं इसका समर्थन करता हूं और सबसे समर्थन मांगता हूं। ■

महिला सांसदों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बाद प्रधानमंत्री से की मुलाकात

महिला सांसदों ने 21 सितंबर को ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि हमें ओजस्वी महिला सांसदों से मिलने का सम्मान मिला, जो 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के पारित होने से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर ख़ुशी होती है कि परिवर्तन के पथप्रदर्शक उसी कानून का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आए हैं, जिसका उन्होंने समर्थन किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के साथ भारत एक उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य के शिखर पर है और हमारी नारी शक्ति इस परिवर्तन के मूल में है। ■

महिला सांसदों ने किया निर्णय का स्वागत

निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री

नारी शक्ति वंदन अधिनियम वास्तव में बहुत सोच-समझकर तैयार किया गया है और खास तौर पर यह देखते हुए कि हम अपनी विकास प्रक्रिया के एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण में हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम आम सहमति बनाएं और यह भी दिखाएं कि हम महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्मृति ईरानी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

मातृशक्ति के सशक्तीकरण हेतु मोदी सरकार की नीति, नियत और निष्ठा का प्रतीक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'! लोकसभा के बाद आज राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पारित होने पर सभी देशवासियों को बधाई एवं समर्थन हेतु सांसदगणों का आभार। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को साधुवाद।

रेणुका सिंह, केंद्रीय जनजातीय मामलों की राज्य मंत्री

दशकों से लंबित महिला आरक्षण के मुद्दे पर दोनों सदनों द्वारा स्वीकृति मिलना महिला सशक्तीकरण की दिशा में अहम कदम है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दृढ़ संकल्प से 'नारी-शक्ति वंदन अधिनियम' का सर्वसम्मति से पारित होना, विकसित भारत के निर्माण में मातृशक्ति के सहयोग को सार्थक करेगा। इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हृदय से धन्यवाद और सभी माताओं-बहनों को बधाई देती हूं।

मीनाक्षी लेखी, केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री

नए संसद भवन में अन्य महिला सांसदों के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम — महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई और धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जो किया है वह इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। उनके नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण नए भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जिसमें महिलाओं को अब वह सम्मान और समर्थन मिल रहा है, जिसकी वे असली हकदार हैं। चाहे वह तीन तलाक हो, शौचालय हो, धुएं से भरी रसोई से मुक्ति हो, नल के पानी का कनेक्शन हो या सशस्त्र बलों में शामिल होने के समान अवसर हों, आज नया भारत महिला-नीत विकास और अब महिला-नीत शासन के साथ आगे बढ़ रहा है।

अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री

देश की आधी आबादी के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का संसद के दोनों सदनों से पारित होना एक चिर प्रतीक्षित उत्सव है। देश की मातृ शक्ति को बधाई! आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार।

सरोज पांडे, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद राज्यसभा

इस विधेयक के माध्यम से मोदी जी ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मातृशक्ति ही पूरे देश की ताकत है, जिसके बिना भारत के नव निर्माण की कल्पना बेमानी है। वंदन मोदी जी! अभिनंदन मोदी जी!!

रमा देवी, सांसद लोकसभा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सभी महिला सांसदों ने आत्मीय अभिनंदन किया। दशकों से लंबित यह अधिनियम माननीय प्रधानमंत्री जी का महिला सशक्तीकरण के लिए उनके दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है।

सोनल मानसिंह, सांसद, राज्यसभा

2021 में मैंने संसद में महिलाओं के अधिकारों का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया, इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं हमारी आबादी का आधा हिस्सा हैं। अफसोस की बात है कि शुरू में इसे नजरअंदाज कर दिया गया। आज मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर कार्रवाई करते देख रोमांचित हूं और उनका हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

पीटी उषा, सांसद राज्यसभा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के पारित होने पर बेहद सम्मानित और गौरवान्वित हूं! देश के लिए यह एक ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित क्षण है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं के लिए एक शानदार निर्णय है।

पूनमबेन मैडम, लोकसभा सांसद

लोकसभा के बाद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राज्यसभा में भी सर्वसम्मति से पास हुआ। सभी देशवासियों व विशेष कर सभी माताओं/बहनों/बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। एक बार फिर सिद्ध हुआ कि 'मोदी है तो मुमकिन है'। ■

'करोड़ों माताओं-बहनों के सपनों को साकार करने का आशीर्वाद हम भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिला है'

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के संसद से पारित होने पर भाजपा की निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधियों एवं महिला कार्यकर्ताओं ने 22 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय विस्तार में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। भाजपा केंद्रीय कार्यालय विस्तार पहुंचते ही प्रधानमंत्रीजी ने महिला कार्यकर्ताओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन, केंद्र सरकार में वरिष्ठ महिला मंत्रिगण, महिला सांसदगण, विधायक से लेकर भाजपा की बूथ स्तर की महिला कार्यकर्ता भी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 20 और 21 सितंबर को हमने इतिहास को बनते देखा है। मैं पूरे देश को नारीशक्ति वंदन अधिनियम, संसद के दोनों सदनों से पास होने की बधाई देता हूं। हम सबका सौभाग्य है कि ये इतिहास बनाने का अवसर कोटि-कोटि जनों ने हमें दिया है। आनेवाली हर पीढ़ी तक इस दिवस की और इस निर्णय की चर्चा होगी।

श्री मोदी ने कहा कि संसद के दोनों सदनों द्वारा नारीशक्ति वंदन अधिनियम को रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। कभी-कभी किसी निर्णय में देश का भाग्य बदलने की क्षमता होती है। हम ऐसे ही निर्णय के साक्षी हैं। जिस बात का देश को पिछले कई दशकों से इंतजार था, वो सपना अब साकार हुआ है। ये पूरे देश के लिए बहुत ही खास समय है। यह भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए भी खास है। आज हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। पूरे देश की माताएं, बहनें बेटियां खुशी मना रही हैं। हमें आशीर्वाद दे रही हैं। करोड़ों माताओं-बहनों के सपनों को साकार करने का आशीर्वाद हम भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिला है। यह हमारे लिए गौरव करने का दिन है।

> **संसद के दोनों सदनों द्वारा नारीशक्ति वंदन अधिनियम को रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। कभी-कभी किसी निर्णय में देश का भाग्य बदलने की क्षमता होती है। हम ऐसे ही निर्णय के साक्षी हैं। जिस बात का देश को पिछले कई दशकों से इंतजार था, वो सपना अब साकार हुआ है**

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई सामान्य कानून नहीं है। ये नए भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। यह बहुत बड़ा और मजबूत कदम है। महिलाओं का जीवन सुधारने के लिए जो गारंटी मोदी ने दी थी, उसका यह प्रत्यक्ष प्रमाण है। ये अमृतकाल में सबका प्रयास से विकसित भारत के निर्माण की तरफ बड़ा कदम है। मेरे देश की हर माता, बहन और बेटी को मैं फिर से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी के लिए, इस कानून के लिए भारतीय जनता पार्टी तीन दशकों से अथक प्रयास कर रही थी। ये हमारा कमिटमेंट था। इसे हमने पूरा करके दिखाया है। इसमें कई बाधाएं थीं लेकिन जब नीयत पवित्र हो तो परेशानियों को पार करके भी परिणाम लाती है। यह अपने आप में रिकॉर्ड है कि इस कानून को संसद के दोनों सदनों में व्यापक समर्थन मिला। पक्ष-विपक्ष ने भी राजनीति से उठकर इसका समर्थन किया। मैं सबको धन्यवाद देता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए आज भारत की नारीशक्ति को खुला आसमान दे रहा है। आज देश,

‘मातृशक्ति के सशक्तीकरण से देश की तस्वीर और तकदीर बदलेगी’

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संसद के दोनों सदनों से पारित होने पर भाजपा की निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधियों एवं महिला कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अभिनंदन कार्यक्रम में देश की करोड़ों महिलाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से देश के प्रधानमंत्रीजी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

श्री नड्डा ने केंद्रीय कार्यालय विस्तार में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि आज पूरे हर्षोल्लास से ओतप्रोत मातृशक्ति जो अपने सम्माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के पारित होने पर उन्हें धन्यवाद देने एकत्रित हुई हैं, मैं उनकी ओर से और देश की करोड़ों माताओं-बहनों की ओर से मैं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्रीजी का अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 का संसद के दोनों सदनों से पारित होना हम सबके लिए ऐतिहासिक घड़ी है। इस ऐतिहासिक घड़ी को लंबे समय तक याद किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि, अटूट निश्चय और पक्के इरादे के बल पर संभव हो पाया। मैं व्यक्तिगत रूप से और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से इसके लिए प्रधानमंत्रीजी का दिल की गहराइयों से हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की अकेली और पहली पार्टी है जिसने अपने संगठन में राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ समिति तक महिलाओं को आरक्षण और प्रतिनिधित्व दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि मातृशक्ति के सशक्तीकरण से न केवल देश की तस्वीर और तकदीर बदलेगी बल्कि देश की दृष्टि और दिशा भी बदलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम मातृशक्ति के सशक्तीकरण के लिए कटिबद्ध हैं। ■

माताओं-बहनों-बेटियों के सामने आने वाली हर अड़चन को दूर कर रहा है। बीते 9 वर्षों में हमने माताओं-बहनों से जुड़ी हर बंदिशों को तोड़ने का प्रयास किया है। हमारी सरकार ने एक के बाद एक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिससे हमारी बहनों को सम्मान, सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि का जीवन मिले। नारीशक्ति वंदन अधिनियम का दोनों सदनों से पास होना, इस बात का भी साक्षी है कि जब पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है, तो देश कैसे बड़े फैसले लेता है, बड़े पड़ावों को पार करता है। पहले ये बिल संसद में तो लाया गया, लेकिन लीपापोती हुई, सिर्फ नाम दर्ज कराए गए। बिल को पास कराने के तब निष्ठापूर्वक प्रयास नहीं किए गए, क्योंकि इनकी मंशा नहीं थी पास कराने की। इस बार भी, कुछ विपक्षी दलों ने इसका समर्थन तो किया, लेकिन कुछ लोगों की आपत्ति थी कि नारी शक्ति वंदन शब्द क्यों लाए? क्या माता-बहनों का वंदन नहीं करना चाहिए? जो बिल फाड़ा करते थे उनको भी इस अधिनियम का समर्थन करना पड़ा, क्योंकि आज की नारी सभी पर भारी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश को बदलने का काम करेगा।

उन्होंने कहा कि हमने मातृशक्ति के सशक्तीकरण के लिए हर स्तर पर फैसले लिए, किसी के राजनीतिक स्वार्थ को महिला आरक्षण के सामने दीवार नहीं बनने दिया। इससे पहले जब भी ये बिल संसद में आया, अक्सर बवाल हुआ, हंगामा हुआ लेकिन अब आज जब देश में पूर्ण बहुमत की स्थिर सरकार है तो महिला आरक्षण बिल— नारीशक्ति वंदन अधिनियम एक सच्चाई बन गया है। आज परिवार से लेकर पंचायत तक, economy से लेकर education और entrepreneurship तक, हमारी बहन-बेटियां हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम कर रही हैं। भारत को चांद तक पहुंचाने में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है। आज हमारे स्टार्टअप्स हो, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स हो या स्वच्छता जैसे सामाजिक अभियान, महिलाओं की भागीदारी और भूमिका देश की ताकत बन रही है। ये कानून देश के लिए काम करने का जज्बा और देश को आगे बढ़ाने की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। अमूल जैसे डेयरी में बड़े बड़े नाम सुनते हैं, उनके मूल में महिलाएं हैं। हम लोग लिज्जत पापड़ जानते हैं, आज मल्टी नेशनल कंपनियों को टक्कर दे रहा है। ये हमारी महिलाओं की क्षमता का प्रतीक है।

श्री मोदी ने कहा कि नारी शक्ति जब कोई काम को करने की ठान लेती है तो उसे पूरा करके ही मानती है। देश की माताएं-बहनें आशीर्वाद दे रही हैं। मातृशक्ति हम सभी के लिए प्रेरणा है। जब ये शक्ति राष्ट्र निर्माण में लगती है, तो कितना विकास हो सकता है इसका अंदाजा भी लगाना मुश्किल है। ■

प्रधानमंत्री ने विशेष सत्र के दौरान संसद के सेंट्रल हॉल में सांसदों को किया संबोधित

'संविधान सदन' हमारा लगातार मार्गदर्शन करता रहेगा: नरेन्द्र मोदी

1952 के बाद विश्व के लगभग 41 राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने संसद के सेंट्रल हॉल में संबोधित किया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष सत्र के दौरान 19 सितंबर को सेंट्रल हॉल में संसद सदस्यों को संबोधित किया। संसद भवन और सेंट्रल हॉल के बारे में जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने इसके प्रेरक इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रारंभिक वर्षों में भवन के इस भाग का उपयोग एक तरह से पुस्तकालय के रूप में किया जाता था। श्री मोदी ने स्मरण किया कि यही वह स्थान है जहां संविधान ने आकार लिया था और स्वतंत्रता के समय यहीं सत्ता का हस्तांतरण हुआ था। उन्होंने स्मरण किया कि इसी सेंट्रल हॉल में भारत के राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान को अपनाया गया था।

लगभग चार हजार अधिनियम पारित

प्रधानमंत्री ने बताया कि 1952 के बाद विश्व के लगभग 41 राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने भारत की संसद के इस सेंट्रल हॉल में संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि भारत के विभिन्न राष्ट्रपतियों ने सेंट्रल हॉल में 86 बार संबोधित किया है। श्री मोदी ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा ने पिछले सात दशकों के दौरान लगभग चार हजार अधिनियम पारित किये हैं।

प्रधानमंत्री ने संसद के संयुक्त सत्र तंत्र के माध्यम से पारित किए गए कानूनों के बारे में भी बात की और इस दहेज निषेध अधिनियम, बैंकिंग सेवा आयोग विधेयक और आतंकवाद से लड़ने के कानूनों का उल्लेख किया। उन्होंने तीन तलाक पर रोक लगाने वाले कानून का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने ट्रांसजेंडरों और दिव्यांगों के लिए बनाए गए कानूनों पर भी प्रकाश डाला। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने में जन-प्रतिनिधियों के योगदान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बड़े गर्व के साथ यह रेखांकित किया कि हमारे पूर्वजों द्वारा प्रदान किया गया संविधान अब जम्मू और कश्मीर में लागू हो रहा है। श्री मोदी ने कहा, "आज, जम्मू-कश्मीर शांति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और यहां के लोग अब प्राप्त अवसरों को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते।"

भारत ऊर्जा से भरपूर

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि 'भारत ऊर्जा से भरपूर है।' यह नवीनीकृत चेतना प्रत्येक नागरिक को समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाएगी। श्री मोदी ने यह विश्वास व्यक्त किया कि भारत को चुने हुए मार्ग पर आगे बढ़ते हुए पुरस्कार मिलना निश्चित है। उन्होंने कहा, "तेज प्रगति दर से ही तीव्र परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।"

भारत के शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व और भारत शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में देश के शामिल होने के बारे में आश्वस्त है। उन्होंने भारत के बैंकिंग क्षेत्र

की मजबूती का भी जिक्र किया। श्री मोदी ने भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे, यूपीआई और डिजिटल स्टैक के प्रति विश्व के उत्साह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्व के लिए आश्चर्य, आकर्षण और स्वीकार्यता का विषय बन गई है।

श्री मोदी ने वर्तमान समय के महत्व पर जोर दिया, जब हजारों वर्षों में भारतीय आकांक्षाएं अपने उच्चतम स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आकांक्षाएं हजारों वर्षों से जंजीरों में जकड़ी हुई थीं, अब और इंतजार करने को तैयार नहीं है, बल्कि भारत आकांक्षाओं के साथ नये लक्ष्य बनाना चाहता है। श्री मोदी ने कहा कि नई आकांक्षाओं के बीच नए कानून बनाना और पुराने कानूनों से छुटकारा पाना सांसदों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

भारतीय आकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "संसद में पेश किए जाने वाले प्रत्येक सुधार के लिए भारतीय आकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।" श्री मोदी ने पूछा कि क्या छोटे कैनवास पर बड़ी पेंटिंग बनाई जा सकती है? उन्होंने कहा कि अपनी सोच का दायरा बढ़ाए बिना हम अपने सपनों का भव्य भारत नहीं बना सकते।

भारत की भव्य विरासत का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यदि हमारी सोच इस भव्य विरासत से जुड़ जाए, तो हम उस भव्य भारत की तस्वीर बना सकते हैं। श्री मोदी ने कहा, "भारत को बड़े कैनवास पर काम करना होगा, छोटी-छोटी बातों में उलझने का समय अब बीत गया है। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की प्राथमिकता को रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा कि शुरुआती आशंकाओं को अस्वीकार करते हुए दुनिया भारत के आत्मनिर्भर प्रारूप की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा और खाद्य तेल के क्षेत्र में कौन आत्मनिर्भर नहीं बनना चाहेगा और इस प्रयास में दलगत राजनीति बाधा नहीं बननी चाहिए।

भारत को विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट' के मॉडल पर

प्रकाश डाला, जहां भारतीय उत्पाद किसी भी दोष से मुक्त होने चाहिए और विनिर्माण प्रक्रिया का पर्यावरण पर प्रभाव शून्य होना चाहिए। उन्होंने कृषि, डिजाइनर, सॉफ्टवेयर, हस्तशिल्प जैसे उत्पादों के लिए भारत के विनिर्माण क्षेत्र में नए वैश्विक मानक बनाने के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। "प्रत्येक व्यक्ति को यह विश्वास होना चाहिए कि हमारे उत्पाद न केवल हमारे गांवों, कस्बों, जिलों और राज्यों में सबसे अच्छे होंगे, बल्कि दुनिया में भी सर्वश्रेष्ठ होंगे।"

श्री मोदी ने नई शिक्षा नीति के खुलेपन का जिक्र किया और कहा कि इसे सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शन के लिए रखी गई प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की तस्वीर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को यह बात अविश्वसनीय लग रही थी कि इस संस्थान का 1500 साल पहले भारत में संचालन होता था। श्री मोदी ने कहा, "हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्तमान में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।"

युवा जनसांख्यिकी वाला देश

प्रधानमंत्री ने युवा जनसांख्यिकी वाला देश होने के महत्व का भी उल्लेख किया। हम एक ऐसा परिदृश्य बनाना चाहते हैं, जहां भारत के युवा हमेशा सबसे आगे रहें। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर कौशल आवश्यकताओं का मानचित्रण करते हुए युवाओं में कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। श्री मोदी ने 150 नर्सिंग कॉलेज खोलने की पहल का उल्लेख किया, जो भारत के युवाओं को स्वास्थ्य पेशेवरों की वैश्विक आवश्यकता को पूरा करने के लिए तैयार करेंगे।

देश के सौर ऊर्जा क्षेत्र के बारे में श्री मोदी ने कहा कि यह अब देश के ऊर्जा संकट से मुक्ति की गारंटी दे रहा है। उन्होंने मिशन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर मिशन और जल जीवन मिशन का भी जिक्र किया और कहा कि ये बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने और प्रतिस्पर्धी बने रहने की आवश्यकता पर जोर देते हुए श्री मोदी ने लागत कम करने और इसे प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ बनाने के लिए देश के लॉजिस्टिक क्षेत्र को विकसित करने पर जोर दिया।

सामाजिक न्याय हमारी प्राथमिक शर्त

श्री मोदी ने कहा कि 'सामाजिक न्याय हमारी प्राथमिक शर्त है।' उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय पर चर्चा बहुत सीमित हो गई है और इस पर व्यापक विचार की आवश्यकता है। श्री मोदी ने कहा कि सामाजिक न्याय के अंतर्गत वंचित वर्गों को परिवहन-संपर्क सुविधा, स्वच्छ जल, बिजली, चिकित्सा उपचार और अन्य मौलिक सुविधाओं के साथ सशक्त बनाना शामिल है। उन्होंने देश के पूर्वी हिस्से के पिछड़ेपन का जिक्र किया। श्री मोदी ने कहा, "हमें अपने पूर्वी हिस्से को मजबूत करके वहां सामाजिक न्याय की शक्ति प्रदान करनी है।" उन्होंने आकांक्षी जिला योजना का उल्लेख किया, जिसने संतुलित विकास को बढ़ावा दिया है। इस योजना का 500 ब्लॉकों में विस्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।" उन्होंने कहा कि शीत युद्ध के दौरान भारत को तटस्थ देश माना जाता था, लेकिन आज भारत को 'विश्व मित्र' के रूप में जाना जाता है, जहां भारत मित्रता के लिए अन्य देशों तक अपनी पहुंच बना रहा है, जबकि वे भारत में एक दोस्त की उम्मीद कर रहे हैं। श्री मोदी ने उल्लेख किया कि भारत को इस विदेश नीति का लाभ मिल रहा है, क्योंकि देश-दुनिया के लिए एक स्थिर आपूर्ति श्रृंखला के रूप में उभरा है। श्री मोदी ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ की जरूरतों को पूरा करने का एक माध्यम था और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाली पीढ़ियां इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अत्यधिक गर्व महसूस करेंगी।

प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति और अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वर्तमान भवन की महिमा और गरिमा को हर कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए और इसे पुराने संसद भवन का दर्जा देकर कम नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस भवन को 'संविधान सदन' कहा जाएगा। श्री मोदी ने निष्कर्ष के तौर पर कहा, "संविधान सदन के रूप में पुरानी इमारत हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी और हमें उन महान व्यक्तियों के बारे में याद दिलाती रहेगी, जो संविधान सभा का हिस्सा थे।" ■

प्रधानमंत्री की राज्यसभा में समापन टिप्पणी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 सितंबर को राज्यसभा में संविधान (128 वां संशोधन) विधेयक, 2023 पर बहस पर समापन टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले दो दिनों से दोनों सदनों में सार्थक चर्चा और बहस हुई है, जहां लगभग 132 माननीय सदस्यों ने अपनी राय व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने कहा, "इस चर्चा में प्रत्येक शब्द का अपना महत्व और अर्थ है।" उन्होंने रेखांकित किया कि ये सार्थक चर्चाएं देश की आगामी संसदीय यात्रा के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होंगी। विधेयक के प्रति सदन के सदस्यों के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया और कहा, "यह भावना देश के लोगों में एक नया आत्मविश्वास पैदा करेगी और सभी सदस्यों तथा सभी राजनीतिक दलों ने इसमें बहुत अहम भूमिका निभाई है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा नहीं है कि इस विधेयक के पारित होने से नारी शक्ति को विशेष सम्मान मिल रहा है, बल्कि इस विधेयक के प्रति सभी राजनीतिक दलों की सकारात्मक सोच से हमारे देश की नारी शक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। श्री मोदी ने आगे कहा कि यह विधेयक भारत के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बनेगा, क्योंकि यह नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगा और नए आत्मविश्वास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा। संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने विचारपूर्ण चर्चा के दौरान व्यक्त की गई भावनाओं के लिए आभार व्यक्त किया और उच्च सदन से सर्वसम्मति से मतदान करके विधेयक को पारित करने का आग्रह किया। ■

प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन में राज्यसभा को किया संबोधित

नई संसद सिर्फ एक नया भवन ही नहीं बल्कि एक नये शुभारंभ का प्रतीक भी है: नरेन्द्र मोदी

नया भवन संघवाद की भावना का भी प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि राज्यों की कलाकृतियों को नई इमारत की योजना में प्रमुखता से स्थान मिला है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 सितंबर को नये संसद भवन में राज्यसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि आज ऐतिहासिक और यादगार अवसर है। उन्होंने लोकसभा में अपने संबोधन को याद किया और इस विशेष अवसर पर राज्यसभा को संबोधित करने का अवसर देने के लिए सभापति के प्रति आभार व्यक्त किया।

संसद का विशेष सत्र

यह देखते हुए कि राज्यसभा को संसद का उच्च सदन माना जाता है, श्री मोदी ने संविधान के निर्माताओं के अभिप्राय को रेखांकित किया कि सदन राष्ट्र को एक दिशा देते हुए राजनीतिक चर्चा के उतार-चढ़ाव से ऊपर उठकर गंभीर बौद्धिक चर्चा का केंद्र बने। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देश की स्वाभाविक अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए इस तरह के योगदान से कार्यवाही का मूल्य बढ़ता है।

राष्ट्र हित सर्वोपरि

पिछले 9 वर्षों में लिए गए निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने उन मुद्दों की ओर ध्यान दिलाया जो दशकों से लंबित थे और जिन्हें महत्वपूर्ण माना जाता था। श्री मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यवस्थाओं में बदलाव के बावजूद राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखने का प्रयास किया गया है।

राज्यों के सदन के रूप में राज्यसभा की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सहकारी संघवाद पर जोर देने के समय में देश कई महत्वपूर्ण मामलों पर महान सहयोग के साथ आगे बढ़ा है। उन्होंने केंद्र-राज्य सहयोग का उदाहरण बताते हुए कोरोना महामारी का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि न केवल संकट के समय बल्कि उत्सव के समय में भी भारत ने विश्व को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि इस महान राष्ट्र की विविधता को 60 से अधिक शहरों में जी-20 कार्यक्रमों और दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह सहकारी संघवाद की शक्ति है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नया भवन संघवाद की भावना का भी प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि राज्यों की कलाकृतियों को नई इमारत की योजना में प्रमुखता से स्थान मिला है।

प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के साथ-साथ नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि यह सदन अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है। उन्होंने सदस्यों से सदन में उपलब्ध नई तकनीक से अभ्यस्त होने में एक-दूसरे की सहायता करने का भी आग्रह किया।

महिलाओं को मिले अवसर

लोकसभा में पेश 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम जीवन की सहजता की बात करते हैं तो उस सहजता पर पहला हक महिलाओं का है। उन्होंने कहा कि कई सेक्टरों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। श्री मोदी ने कहा कि महिलाओं की क्षमता को अवसर मिलना चाहिए। उनके जीवन में 'किंतु-परंतु' का समय समाप्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम जन-जन का कार्यक्रम बन गया है। श्री मोदी ने जनधन और मुद्रा योजना में महिलाओं की भागीदारी का भी उल्लेख किया। तीन तलाक को खत्म किए जाने और महिला सुरक्षा के लिए मजबूत कानून का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास जी-20 में चर्चा का सबसे बड़ा विषय था।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण का मुद्दा दशकों से लंबित रहा है और सभी ने अपनी क्षमता से इसमें योगदान दिया है। यह इंगित करते हुए कि विधेयक पहली बार 1996 में पेश किया गया था और अटल जी के कार्यकाल के दौरान इस पर कई विचार-विमर्श और चर्चाएं हुईं, लेकिन संख्या की कमी के कारण विधेयक को मंजूरी नहीं मिल सकी। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि विधेयक अंततः कानून बन जाएगा और नए भवन की नई ऊर्जा के साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में 'नारी शक्ति' सुनिश्चित करेगा। ■

जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता ने हर भारतवासी के दिल को गर्व की भावना से भर दिया

नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद भाजपा संसदीय बोर्ड ने 13 सितंबर, 2023 को एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया। हम इस प्रस्ताव का पूरा पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं—

हम, भाजपा कार्यकर्ता, 9-10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित सफल जी20 शिखर सम्मलेन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार की सराहना करते हैं और उनका हार्दिक अभिनंदन करते हैं। हम शिखर सम्मलेन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए नेतृत्व और उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं। जी20 दिल्ली शिखर सम्मलेन भारत के राजनयिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में जुड़ गया है, यह एक परिवर्तनकारी क्षण है जिसके नजरिये से वैश्विक मंच पर अब हमारे राष्ट्र को देखा जाएगा।

भारत में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन ने आर्थिक, जियो पॉलिटिक्स, टेक्नोलॉजी जैसे कई अहम वैश्विक विषयों पर पूरी दुनिया को एक मंच पर लाने का काम किया। हम एक व्यापक और दूरदर्शी जी20 नई दिल्ली घोषणा पत्र सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना करते हैं। यह घोषणा पत्र हमारी दूरदर्शिता का प्रमाण है, जो हमारे वर्तमान और भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ का कार्य करेगी।

इस सम्मलेन में हुई व्यापक वैश्विक भागीदारी को देखकर हमें अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हुई है। यह अद्वितीय है और अभूतपूर्व भी जो भारत की क्षमताओं और दूरदर्शी दृष्टिकोण में विश्व के विश्वास की पुष्टि करती है। इससे भारत की क्षमता और प्रधानमंत्री मोदी के प्रभावी नेतृत्व में दुनिया का विश्वास भी प्रमाणित हुआ है।

हम विगत वर्षों में अपनाए गए पारंपरिक GDP केंद्रित विकास पथ से आगे बढ़ते हुए दुनिया को विकास का एक मानव-केंद्रित मॉडल दिखाने के लिए पीएम मोदी की सराहना करते हैं। स्थिरता, समावेशिता और साझा समृद्धि पर जोर देने वाला यह मॉडल, जी20 शिखर सम्मलेन में भाग लेने वाले देशों के बीच गहराई से प्रतिध्वनित हुआ, जिसने मानवता की सामूहिक भलाई के लिए एक पुरोधा के रूप में भारत के रुख को प्रमुखता से स्थापित किया है। भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) और मिशन LiFE जैसे प्रतिमानों की वकालत करने में भी सबसे आगे रहा, जो वैश्विक नीति निर्माताओं को उनकी पारस्परिक नीतियां बनाते समय मार्गदर्शक का काम करेंगे।

आने वाली पीढ़ियां जी20 शिखर सम्मेलन, 2023 को एक ऐसे सम्मलेन के रूप में याद करेंगी जिसमें अफ्रीकी संघ को जी20 की पूर्ण सदस्यता दी गई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी का यह दृष्टिकोण भी परिलक्षित हुआ है जिसमें वह ऐसे समूहों व मंचों पर ग्लोबल साउथ के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए मुखर रहे हैं। अफ्रीका के साथ भारतीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के पीएम मोदी के प्रयास 2015 में नई दिल्ली में आयोजित हुए भारत-अफ्रीका शिखर सम्मलेन के दौरान ही स्पष्ट हो गए थे, जहां उन्होंने सभी अफ्रीकी राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों की मेजबानी की थी। भारत की जी20 अध्यक्षता के शुरुआती प्रयासों में ग्लोबल साउथ सम्मलेन आयोजित करना था। जी20 में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में सम्मिलित किए जाने की काफी प्रशंसा की गई है, विशेष तौर पर ऐसे वर्गों द्वारा जो वैश्विक विकास व संवाद के हाशिए पर खड़े देशों के हिमायती हैं।

आज हमें यह देखकर बहुत खुशी होती है कि भारत Global Biofuels Alliance में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो वैश्विक sustainability की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

> **भारत में आयोजित जी20 शिखर सम्मलेन ने आर्थिक, जियो पॉलिटिक्स, टेक्नोलॉजी जैसे कई अहम वैश्विक विषयों पर पूरी दुनिया को एक मंच पर लाने का काम किया**

इंडिया—मिडिल ईस्ट—यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की शुरूआत समूचे विश्व के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह वैश्विक समृद्धि की नींव रखेगा। ये आमजन के जीवन में सुधारात्मक परिवर्तन लाने के लिए एक ऐसे माहौल का निर्माण करेगा, जिसमें सभी देश अपनी पारस्परिक क्षमता के साथ योगदान देंगे। इस कॉरिडोर की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए हम पीएम मोदी की सराहना करते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुई सैकड़ों द्विपक्षीय बैठकों ने न केवल मौजूदा संबंधों को मजबूत किया, बल्कि सहयोग और व्यापार का एक आशाजनक मार्ग भी प्रशस्त किया है, जो आने वाले समय में निश्चित ही फलदायी साबित होगा।

भारत की जी20 अध्यक्षता को पीपुल्स जी20' के रूप में मनाया जाएगा। यह वास्तव में लोगों द्वारा संचालित प्रयास और भारत की स्थाई भावना का प्रमाण है। 60 से अधिक शहरों ने 200 बैठकों की मेजबानी की और 1.5 करोड़ नागरिकों की उपस्थिति ने यह सुनिश्चित किया कि हमारे लोगों की आवाज महत्वपूर्ण चर्चाओं में गूंजती रहे और इन महत्वपूर्ण चर्चाओं में जमीनी दृष्टिकोण और आकांक्षा का समावेश भी रहे।

संक्षेप में कहें तो जी20 शिखर सम्मलेन की सफलता ने हर भारतवासी के दिल को गर्व की भावना से भर दिया। जनता के प्रतिनिधि के रूप में हमें यह पूर्ण विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर विकास, सहयोग और वैश्विक नेतृत्व के मार्ग पर अग्रसर रहेगा और एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करेगा, जिसे आने वाली पीढ़ियां आशा और सकारात्मकता के साथ देखेंगी। ■

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के पहले चरण में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली

- 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षा बलों को 2.33 लाख से अधिक शिलाफलकम समर्पित किए गए
- 4 करोड़ पंच प्रण प्रतिज्ञाएं; 2 लाख से अधिक वीरों के लिए सम्मान कार्यक्रम; 2.63 लाख अमृत वाटिकाएं बनाई गईं
- देश के हर घर तक पहुंचने के उद्देश्य के साथ दूसरे चरण में प्रवेश के लिए पूरी तरह तैयार हैं

देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले 'वीरों' को श्रद्धांजलि देने के लिए 9 अगस्त 2023 को एक राष्ट्रव्यापी अभियान 'मेरी माटी मेरा देश' शुरू किया गया। यह अभियान 'आजादी का अमृत महोत्सव' का समापन कार्यक्रम है, जो 12 मार्च 2021 को शुरू हुआ और पूरे भारत में 2 लाख से अधिक कार्यक्रमों में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली।

इस अभियान में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षा बलों को समर्पित शिलाफलकम की स्थापना जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ पंच प्रण प्रतिज्ञा, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन पहल के माध्यम से हमारे बहादुरों के वीरतापूर्ण बलिदानों का सम्मान किया गया।

'मेरी माटी मेरा देश अभियान' का पहला चरण व्यापक पहुंच और बड़ी संख्या में जनभागीदारी के साथ अभूतपूर्व रूप से सफल साबित हुआ है। अब तक 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 2.33 लाख से अधिक शिलाफलकम बनाए जा चुके हैं। अब तक लगभग 4 करोड़ पंच प्रण प्रतिज्ञा वाली सेल्फी वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी हैं। देश भर में वीरों के लिए 2 लाख से अधिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वसुधा वंदन थीम के तहत, 2.36 करोड़ से अधिक स्वदेशी पौधे लगाए गए हैं और 2.63 लाख अमृत वाटिकाएं बनाई गई हैं।

अब यह अभियान देश भर में अमृत कलश यात्राओं की योजना के साथ अपने दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अखिल भारतीय आउटरीच अभियान के रूप में इसका उद्देश्य देश के हर घर तक पहुंचना है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के 6 लाख से अधिक गांवों और शहरी क्षेत्रों के वार्डों से मिट्टी व चावल के दाने एकत्र किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे ब्लॉक स्तर पर मिश्रित करके ब्लॉक स्तरीय कलश बनाया जाएगा। राज्य की राजधानी से औपचारिक तौर पर विदा किए जाने के बाद ये कलश राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचेंगे। शहरी क्षेत्रों में मिट्टी को वार्डों से एकत्र किया जा रहा है और राज्य की राजधानी के माध्यम से दिल्ली में मिश्रण और परिवहन के लिए बड़े शहरी स्थानीय निकायों में लाया जा रहा है। उम्मीद है कि अंतिम कार्यक्रम के लिए अक्टूबर के अंत तक 8500 से अधिक कलश दिल्ली पहुंचेंगे। भारत के सभी कोनों से एकत्र की गई मिट्टी को अमृत वाटिका और अमृत स्मारक में रखा जाएगा, जिससे आजादी का अमृत महोत्सव मनाए जाने की विरासत तैयार होगी। ■

नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 13 सितंबर, 2023 को भाजपा मुख्यालय में भव्य अभिनंदन

भूपेश बघेल सरकार ने पांच साल में सिर्फ छलावा किया : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 सितंबर, 2023 को जशपुर, छत्तीसगढ़ के रंजीता स्टेडियम ग्राउंड से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया और परिवर्तन रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय, छत्तीसगढ़ में भाजपा के चुनाव प्रभारी श्री ओम माथुर, छत्तीसगढ़ में नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, छत्तीसगढ़ के भाजपा सह प्रभारी श्री नितिन नबीन सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और नेता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि देश की आदिवासी बेटी और महामहिम राष्ट्रपति आदरणीया द्रौपदी मुर्मू जी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को जी-20 की बैठक के दौरान रात्रि भोज के लिए निमंत्रण दिया। किंतु, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उस निमंत्रण को स्वीकार नहीं किया। क्या जनजाति से संबंध रखने वाली महामहिम राष्ट्रपति के प्रति भूपेश बघेल का यही सम्मान है? क्या आपकी इज्जत भारत की महामहिम राष्ट्रपति से ज्यादा है? जी-20 में राष्ट्रपति के रात्रि भोज में भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में जाना क्या उनका कर्तव्य नहीं था? कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी 15 अगस्त को लाल किले में उपस्थित नहीं होते हैं। क्या ऐसे लोगों को हटाकर छत्तीसगढ़ में परिवर्तन नहीं लाना चाहिए?

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की भ्रष्ट कांग्रेस सरकार की नाकामियों, घोटालों और बदहाल क़ानून-व्यवस्था को राज्य के जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा 1261 किलोमीटर का सफर तय करके बिलासपुर पहुंचेगी। जशपुर से शुरू होने वाली द्वितीय परिवर्तन यात्रा 2 संभागों के 14 जिलों के 39 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए 1,261 किमी का सफर तय करेगी। इस दौरान कई आम सभाएं, स्वागत सभाएं और रोड शो भी होंगे।

भूपेश बघेल सरकार पर जोरदार हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार में 2,161 करोड़ रुपये का शराब घोटाला हुआ, लगभग 5 हजार करोड़ रुपये का चावल घोटाला हुआ। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार में कोयला घोटला, यूरिया घोटाला, गोइंठा घोटाला, गोबर घोटाला हुआ। जिसने गौ माता को नहीं छोड़ा, वह राज्य की जनता का क्या भला करेगी? एक मुख्यमंत्री सीडी कांड पर बेल पर है और उसका निजी सचिव जेल में है। ऐसी सरकार को एक मिनट भी सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

परिवर्तन यात्रा के दूसरे चरण को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने कांगेस पार्टी ने 5 साल में सिर्फ छलावा किया। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में भूमिहीन लोगों को जमीन देने का वादा किया, अब तक पूरा नहीं हुआ। भूपेश बघेल के दिखाने के दांत और खाने के और हैं। खाने के लिए भ्रष्टाचार और दिखाने के लिए नौजवानों को भत्ता, महिलाओं को सिलेंडर देने की बात करते हैं। ये परिवर्तन यात्रा इसलिए निकाली जा रही है क्योंकि हमने पहले भी छत्तीसगढ़ की सेवा की है और आगे भी काम करना चाहते हैं। प्रधानमंत्रीजी ने विकास और जन-कल्याण की जिन-जिन योजनाओं का सूत्रपात किया है, वे सभी काम छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने पर होगा। किसानों, आदिवासियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हर संभव कदम उठाये जाएंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग 26.5 लाख घरों में 'जल जीवन मिशन' के तहत नल से जल पहुंचाया जा रहा है। राज्य में लगभग 34.5 लाख इज्जत घर बने हैं। छत्तीसगढ़ के 36 लाख परिवार को आयुष्मान भारत के तहत हेल्थ कवर मिल रहा है। पीएम आवास योजना के तहत 14.80 लाख घरों को बनाने की स्वीकृति दी गई है लेकिन भूपेश बघेल जी ने गरीबों के इन 14.80 लाख लोगों के आवेदन में में से 12 लाख लोगों के आवेदन को दिल्ली पहुंचने से रोक दिया है। कांग्रेस की सरकार की वजह से छत्तीसगढ़ में 12 लाख लोग आवास से वंचित हो गए हैं। क्या छत्तीसगढ़ में ऐसी सरकार को रहने देना चाहिए? ■

यह स्वार्थी गठबंधन बिहार को फिर से जंगलराज की दिशा में ले जानेवाला है : अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 16 सितंबर, 2023 को बिहार के झंझारपुर में एक जनरैली को संबोधित किया। रैली में उन्होंने बिहार सरकार एवं विपक्षी इंडी एलायंस पर सवाल उठाए। रैली में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री विनोद तावड़े, बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, श्री नित्यानंद राय और श्री अश्विनी चौबे के साथ कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले लालूजी और नीतीशजी की सरकार ने फतवा जारी करते हुए बिहार में रक्षाबंधन, जन्माष्टमी की छुट्टी खत्म करने कि घोषणा की। उसके विरोध मे बिहार की जनता ने जो आक्रोश दिखाया है, मैं बड़े हृदय से आपका सम्मान करता हूं।

उन्होंने कहा कि अभी यहां लालू-नीतीशजी की सरकार चल रही है। मैं बारीकी से बिहार के अखबार पढ़ रहा हूं, रोज बिहार के अंदर गोलीबारी लूट, अपहरण, पत्रकारों की हत्या, दलितों की हत्या के केस बढ़ते जा रहे हैं। आज मैं बिहार की जनता को कहने आया हूं यह जो स्वार्थी गठबंधन बना है, वह बिहार को फिर से जंगलराज की दिशा में ले जानेवाला है। आप मुझे बताओ झंझारपुरवालो, आपको फिर से जंगलराज चाहिए क्या? यह जो नया अलाइअन्स किया है उसका नाम बदलने की जरूरत पड़ी। नाम क्यों बदला? पहले यूपीए के नाम से वह काम करते, 12 लाख करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया, रेलवे मंत्री रहते हुए लालूजी ने अरबों-खरबों का भ्रष्टाचार किया। कोर्ट में कैसे चल रहे हैं और नीतीशजी के भ्रष्टाचार को नहीं देखते हैं। उनको मालूम है कि बिहार के विकास के लिए यूपीए ने कुछ नहीं किया, भ्रष्टाचार किया। यूपीए के नाम से वह नहीं आ सकते हैं इसलिए इंडी एलायंस के नाम से वह आ रहे हैं।

श्री शाह जी ने कहा कि रामायण सर्किट में तीन शहर सीतामढ़ी, बक्सर और दरभंगा को शामिल करके हमने यहां के टूरिज्म को बढ़ावा दिया मिथिला के मखाने को जीआई टैग देने का काम नरेन्द्र मोदीजी ने किया है। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू की 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' की नई परंपरा

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने केंद्र के 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के आधिकारिक समारोह में बोलते हुए कहा कि 17 सितंबर, 1948 को हैदराबाद राज्य की पूर्ववर्ती रियासत का भारतीय संघ में विलय किया गया था, लेकिन यह 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण' है कि लगभग एक दशक पहले तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भी राजनीतिक दल अपनी वोट बैंक की राजनीति के कारण राज्य में 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' मनाने से झिझकते रहे।

श्री शाह ने कहा, "मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि देश की जनता उन लोगों का साथ कभी नहीं देती जो अपने देश के इतिहास से दूर हो जाते हैं।" उन्होंने कहा कि तेलंगाना और देश को केवल हमारे राष्ट्र के इतिहास, शहीदों के बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष का सम्मान कर ही आगे बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

श्री शाह ने हैदराबाद की मुक्ति का श्रेय देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया और कहा कि उनके प्रयासों के कारण निजाम के रजाकारों ने भारतीय संघ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 2 सितंबर, 1947 को परकाला में निजाम सेना के कमांडर ने जनरल डायर की तरह गोलीबारी का आदेश दिया था, जिसमें सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानी मारे गए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में किसी भी सरकार ने ऐतिहासिक 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' नहीं मनाया और युवा पीढ़ी को इस महान दिन की याद दिलाने के लिए कार्यक्रम नहीं बनाए। उन्होंने कहा, 'तुष्टीकरण की नीतियों' के कारण पिछली सरकारें हमेशा डरी रहती थीं और इसका जश्न नहीं मनाती थीं।' 2022 से यह दिवस मनाकर एक नई परंपरा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह हैदराबाद मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि है और युवा पीढ़ी के लिए एक संदेश भी है। 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' मनाने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह युवा पीढ़ी के बीच देशभक्ति की भावना पैदा करने, 'मुक्ति' संघर्ष के शहीदों को श्रद्धांजलि देने और राष्ट्र की सेवा में फिर से समर्पित होने का अवसर है। ■

पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का शुभारंभ

'पीएम विश्वकर्मा योजना' में बढ़ई, लोहार, सुनार, मूर्तिकार, कुम्हार, मोची, दर्जी, राजमिस्त्री, हेयरड्रेसर, धोबी आदि को शामिल किया गया है और इस पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को नई दिल्ली में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए 'पीएम विश्वकर्मा योजना' शुरू की। प्रधानमंत्री ने पीएम विश्वकर्मा लोगो, टैगलाइन और पोर्टल भी लॉन्च किया। उन्होंने इस अवसर पर एक कस्टमाइज्ड स्टाम्प शीट, एक टूल किट, ई-बुकलेट और वीडियो भी जारी किया। श्री मोदी ने 18 लाभार्थियों को विश्वकर्मा प्रमाण पत्र वितरित किए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार विश्वकर्मा समुदाय के लोगों के सम्मान को बढ़ाने, क्षमताओं को बढ़ाने और उनकी समृद्धि बढ़ाने के लिए एक भागीदार के रूप में आगे आई है। कारीगरों और शिल्पकारों के 18 फोकस क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में बढ़ई, लोहार, सुनार, मूर्तिकार, कुम्हार, मोची, दर्जी, राजमिस्त्री, हेयरड्रेसर, धोबी आदि को शामिल किया गया है और इस पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

कुशल कारीगरों और व्यवसायों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उपायों के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बदलते समय में विश्वकर्मा मित्रों के लिए प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और उपकरण महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विश्वकर्मा मित्रों को 500 रुपये प्रतिदिन भत्ता दिया जाएगा। श्री मोदी ने यह भी कहा कि आधुनिक टूलकिट के लिए 15 हजार रुपये का टूलकिट वाउचर भी दिया जाएगा और सरकार उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग में मदद करेगी।

विश्वकर्मा समुदाय के लिए संपार्श्विक मुक्त वित्त के प्रावधान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब गारंटी मांगी जाती है तो वह गारंटी मोदी देते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा मित्रों को बिना किसी संपार्श्विक के बहुत कम ब्याज पर 3 लाख रुपये तक का ऋण मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि पीएम विश्वकर्मा को 13,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाएगा। इस योजना के तहत बायोमेट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा पोर्टल का उपयोग करके सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से विश्वकर्माओं का निःशुल्क पंजीकरण किया जाएगा। उन्हें पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और पहचान-पत्र, मूलभूत और उन्नत प्रशिक्षण से जुड़े कौशल उन्नयन, 15,000 रुपये का टूलकिट प्रोत्साहन, 5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपये (पहली किश्त) और 2 लाख रुपये (दूसरी किश्त) तक संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता, डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी ।

यह योजना पूरे भारत में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करेगी। पीएम विश्वकर्मा के अंतर्गत अठारह पारंपरिक शिल्पों को शामिल किया जाएगा। इनमें (i) बढ़ई; (ii) नौका निर्माता; (iii) शस्त्रसाज; (iv) लोहार; (v) हथौड़ा और टूल किट निर्माता; (vi) ताला बनाने वाला; (vii) सुनार; (viii) कुम्हार; (ix) मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला; (x) मोची (जूता/जूता कारीगर); (xi) राजमिस्त्री; (xii) टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर; (xiii) गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक); (xiv) नाई; (xv) माला बनाने वाला; (xvi) धोबी; (xvii) दर्जी; और (xviii) मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला शामिल हैं। ■

द्वारका सेक्टर 21 से 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' स्टेशन तक एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन

दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन गति को 90 से बढ़ाकर 120 किमी/घंटा करेगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 में, द्वारका सेक्टर 21 से 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' स्टेशन तक एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन किया। नए मेट्रो स्टेशन में तीन सबवे होंगे— स्टेशन को प्रदर्शनी हॉल, कन्वेंशन सेंटर और सेंट्रल एरिना से जोड़ने वाला 735 मीटर लंबा सबवे; द्वारका एक्सप्रेसवे में प्रवेश/निकास को जोड़ने वाला दूसरा सबवे; जबकि तीसरा सबवे मेट्रो स्टेशन को 'यशोभूमि' के भावी प्रदर्शनी हॉल के फ़ोयर से जोड़ता है।

दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेनों की परिचालन गति को 90 से बढ़ाकर 120 किमी/घंटा करेगी, जिससे यात्रा समय में कमी आएगी। 'नई दिल्ली' से 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' तक की यात्रा में लगभग 21 मिनट लगेंगे। ■

भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो केन्द्र 'यशोभूमि' का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

73 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बने इस कन्वेंशन सेंटर में मुख्य सभागार, ग्रैंड बॉलरूम सहित 15 सम्मेलन कक्ष और 13 बैठक कक्ष शामिल हैं, जिनकी कुल क्षमता 11,000 प्रतिनिधियों को रखने की है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को नई दिल्ली के द्वारका में भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो केन्द्र 'यशोभूमि' के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित किया। 'यशोभूमि' में एक भव्य कन्वेंशन सेंटर, कई प्रदर्शनी हॉल और अन्य सुविधाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने विश्व भर में चर्चा का विषय बने भारत मंडपम का जिक्र करते हुए कहा कि आज का विकसित भारत हर सेक्टर में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि यशोभूमि का संदेश जोरदार और स्पष्ट है।

उल्लेखनीय है कि 8.9 लाख वर्ग मीटर से अधिक के कुल परियोजना क्षेत्र और 1.8 लाख वर्ग मीटर से अधिक के कुल निर्मित क्षेत्र के साथ 'यशोभूमि' दुनिया की सबसे बड़ी एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) सुविधाओं में अपना स्थान बनाएगी।

'यशोभूमि', जिसे लगभग 5400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है, एक भव्य कन्वेंशन सेंटर, कई प्रदर्शनी हॉल और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है। 73 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बने कन्वेंशन सेंटर में मुख्य सभागार, ग्रैंड बॉलरूम सहित 15 सम्मेलन कक्ष और 13 बैठक कक्ष शामिल हैं, जिनकी कुल क्षमता 11,000 प्रतिनिधियों को रखने की है। कन्वेंशन सेंटर में देश का सबसे बड़ा एलईडी मीडिया अग्रभाग है।

कन्वेंशन सेंटर के पूर्ण हॉल में लगभग 6,000 मेहमानों की बैठने की क्षमता

कन्वेंशन सेंटर का पूर्ण हॉल लगभग 6,000 मेहमानों की बैठने की क्षमता से सुसज्जित है। अद्वितीय पंखुड़ी की छत वाला ग्रैंड बॉलरूम लगभग 2,500 मेहमानों की मेजबानी कर सकता है। इसमें एक विस्तारित खुला क्षेत्र भी है जिसमें 500 लोग बैठ सकते हैं। आठ मंजिलों में फैले 13 बैठक कक्षों में विभिन्न स्तरों की विभिन्न बैठकें आयोजित करने की परिकल्पना की गई है।

'यशोभूमि' में दुनिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी हॉलों में से एक

'यशोभूमि' में दुनिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी हॉलों में से एक है। 1.07 लाख वर्ग मीटर से अधिक में बने इन प्रदर्शनी हॉलों का उपयोग प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और व्यावसायिक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाएगा और ये एक भव्य अग्रदीर्घा (फ़ोयर) स्थान से जुड़े हुए हैं, जिसे तांबे की छत के साथ विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किया गया है जो विभिन्न स्काईलाइट के माध्यम से अंतरिक्ष में प्रकाश को फ़िल्टर करता है। ■

जुलाई, 2023 के महीने में 19.88 लाख नए श्रमिकों ने ईएसआई योजना के तहत किया नामांकन

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा 20 सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार ईएसआईसी के अनंतिम पेरोल डेटा से पता चलता है कि जुलाई, 2023 के महीने में 19.88 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। जुलाई, 2023 के महीने में लगभग 27,870 नए प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया गया है और इन्हें कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत लाया गया है, इससे इनका और ज्यादा कवरेज सुनिश्चित हुआ है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि देश के युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं, क्योंकि जुलाई महीने के दौरान जोड़े गए कुल 19.88 लाख कर्मचारियों में से 25 वर्ष की आयु वर्ग तक के 9.54 लाख कर्मचारी नए पंजीकरणों में सबसे ज्यादा हैं और यह कुल कर्मचारियों का 47.9 प्रतिशत है।

पेरोल आकड़ें के लिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि जुलाई, 2023 में महिला सदस्यों का शुद्ध नामांकन 3.82 लाख रहा है। ये आकड़ें दिखाते हैं कि जुलाई, 2023 के महीने में कुल 52 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है। यह इस बात को दर्शाता है कि ईएसआईसी इसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उज्ज्वला योजना के विस्तार को दी मंजूरी

तीन वर्षों में 75 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी किए जाएंगे। इससे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13 सितंबर को वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक तीन वर्षों में 75 लाख एलपीजी कनेक्शन जारी करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के विस्तार को मंजूरी दे दी। 75 लाख अतिरिक्त उज्ज्वला कनेक्शन के प्रावधान से पीएमयूवाई लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी।

2014 बनाम 2023 में प्रमुख एलपीजी विवरण

	(इकाई)	01.04.2014	01.04.2016	01.04.2023
राष्ट्रीय एलपीजी कवरेज	प्रतिशत	55.90 प्रतिशत	61.9 प्रतिशत	संतृप्ति के करीब
ओएमसी के बॉटलिंग संयंत्रों की संख्या	संख्या में	186	188	208
भारत में एलपीजी वितरकों की संख्या	संख्या में	13896	17916	25386
भारत में घरेलू सक्रिय एलपीजी ग्राहक	लाख में	1451.76	1662.5	3140.33

उज्ज्वला 2.0 के मौजूदा तौर-तरीकों के अनुसार उज्ज्वला लाभार्थियों को पहली रिफिल और स्टोव भी मुफ्त प्रदान किया जाएगा। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपये की लक्षित सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

पीएमयूवाई योजना ने महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया है। एलपीजी तक आसान पहुंच के साथ महिलाओं पर अब जलाऊ लकड़ी या अन्य पारंपरिक ईंधन इकट्ठा करने का बोझ नहीं है, जिसके लिए अक्सर लंबी और श्रमसाध्य यात्रा की आवश्यकता होती है। यह नई सुविधा उन्हें सामुदायिक जीवन में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने और आय-सृजन के अन्य अवसर देती है।

उल्लेखनीय है कि 2020 में कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त रिफिल योजना लागू की गई थी। इस योजना के तहत 14.17 करोड़ एलपीजी रिफिल के लिए पीएमयूवाई लाभार्थियों को 9670.41 करोड़ रुपये दिए गए।

पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत जो 2018-19 में 3.01 थी, वह 2022-23 में बढ़कर 3.71 हो गई है। पीएमयूवाई लाभार्थियों ने अब (2022-23) एक वर्ष में 35 करोड़ से अधिक एलपीजी रिफिल लिया। ■

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.51 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 (16 सितंबर, 2023 तक) के लिए 8,65,117 करोड़ रुपये का शुद्ध संग्रह किया गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (यानी वित्तीय वर्ष 2022-23) की समान अवधि में 7,00,416 करोड़ रुपये का शुद्ध संग्रह किया गया था, जो 23.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

8,65,117 करोड़ रुपये के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (16 सितंबर, 2023 तक) में 4,16,217 करोड़ रुपये (शुद्ध रिफंड) के निगम कर (सीआईटी) और 4,47,291 करोड़ रुपये (शुद्ध रिफंड) प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले) के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 9,87,061 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 8,34,469 करोड़ रुपये था, जो 18.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

सकल संग्रह 9,87,061 करोड़ रुपये में निगम कर (सीआईटी) 4,71,692 करोड़ रुपये और प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) 5,13,724 करोड़ रुपये शामिल हैं। लघु शीर्षवार संग्रह में अग्रिम कर 3,55,481 करोड़ रुपये, स्रोत पर कर कटौती 5,19,696 करोड़ रुपये, स्व-मूल्यांकन कर 82,460 करोड़ रुपये, नियमित मूल्यांकन कर 21,175 करोड़ रुपये और अन्य लघु शीर्षों के अंतर्गत कर 8,248 करोड़ रुपये शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 (16 सितंबर, 2023 तक) के लिए अग्रिम कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े के अनुसार 3,55,481 करोड़ रुपये संग्रहित किए गए, जबकि ठीक पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2022-23 की इसी अवधि के लिए अग्रिम कर संग्रह की राशि 2,94,433 करोड़ रुपये थी, जिससे 20.73 प्रतिशत की वृद्धि का पता चलता है। 16 सितंबर, 2023 तक अग्रिम कर संग्रह 3,55,481 करोड़ रुपये में निगम कर (सीआईटी) 2,80,620 करोड़ रुपये और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) 74,858 करोड़ रुपये शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में 16 सितंबर, 2023 तक 1,21,944 करोड़ रुपये के रिफंड भी जारी किये जा चुके हैं। ■

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने सशस्त्र बलों के लिए 45,000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरणों के खरीद को मंजूरी दी

हल्के बख्तरबंद बहुउद्देशीय वाहनों, एकीकृत निगरानी एवं लक्ष्य प्रणाली और अगली पीढ़ी के सर्वेक्षण जहाजों की खरीद को मिली मंजूरी। डोर्नियर विमान के हवाई उन्नयन के लिए प्रस्ताव; ध्रुवास्त्र हवा से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की मिसाइल और 12 एसयू-30 एमकेआई विमानों की खरीद को भी मंजूरी दी गई

रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) ने लगभग 45,000 करोड़ रुपये के नौ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की है। इसके लिए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 15 सितंबर, 2023 को डीएसी की बैठक हुई। ये सभी खरीद भारतीय विक्रेताओं से (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन विकसित और निर्मित-आईडीएमएम) खरीदें (भारतीय) श्रेणी के तहत की जाएंगी जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारतीय रक्षा उद्योग को पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा।

आधुनिक मशीनीकृत बलों की सुरक्षा, गतिशीलता, हमले की क्षमता और बढ़ी हुई उत्तरजीविता को बढ़ाने के लिए, डीएसी ने हल्के बख्तरबंद बहुउद्देश्यीय वाहनों (एलएएमवी) और एकीकृत निगरानी और लक्ष्यीकरण प्रणाली (आईएसएटी-एस) की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दी। डीएसी ने आर्टिलरी गन और रडार की तेजी से तैनाती और तैनाती के लिए हाई मोबिलिटी व्हीकल (एचएमवी) गन टोइंग वाहनों की खरीद के लिए भी एओएन को मंजूरी दे दी।

डीएसी ने भारतीय नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के सर्वेक्षण जहाजों की खरीद को भी मंजूरी दे दी, जिससे हाइड्रोग्राफिक संचालन करने में इसकी क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी।

डीएसी ने भारतीय वायु सेना के प्रस्तावों के लिए भी एओएन को मंजूरी दे दी, जिसमें ऑपरेशन के लिए सटीकता और विश्वसनीयता में सुधार के लिए डोर्नियर विमान का एवियोनिक अपग्रेडेशन शामिल है। स्वदेशी रूप से निर्मित एएलएच एमके-IV हेलीकॉप्टरों के लिए एक शक्तिशाली स्वदेशी सटीक निर्देशित हथियार के रूप में ध्रुवास्त्र, जो हवा से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की मिसाइल है, की खरीद को डीएसी ने मंजूरी दे दी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से संबंधित उपकरणों के साथ 12 एसयू-30 एमकेआई विमानों की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया गया। डीएससी की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब स्वदेशीकरण की दिशा में युद्ध सामग्री की जरूरतों को उन्नत करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि आईडीडीएम परियोजनाओं के लिए 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री की सीमा के बजाय हमें न्यूनतम 60-65 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का लक्ष्य रखना चाहिए। ■

11 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 90 बीआरओ बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

2021 से अब तक 8,000 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड 295 बीआरओ परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की ये परियोजनाएं 11 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में फैली हैं। रक्षा मंत्री ने 12 सितंबर को जम्मू में एक कार्यक्रम में परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें अरुणाचल प्रदेश में नेचिफू सुरंग शामिल है; पश्चिम बंगाल में दो हवाई अड्डे; दो हेलीपैड; 22 सड़कें और 63 पुल शामिल हैं। इन 90 परियोजनाओं में से 36 अरुणाचल प्रदेश में हैं; 26 लद्दाख में; जम्मू-कश्मीर में 11; मिजोरम में पांच; हिमाचल प्रदेश में तीन; सिक्किम, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में दो-दो और नागालैंड, राजस्थान और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक-एक हैं।

आज 2,900 करोड़ रुपये की 90 परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ 2021 से अब तक लगभग 8,000 करोड़ रुपये की कुल लागत के साथ बीआरओ की रिकॉर्ड 295 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जा चुकी हैं। 2022 में लगभग 2,900 करोड़ रुपये की लागत से 103 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया; जबकि 2021 में 2,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 102 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं।

बीआरओ ने अधिकांश अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक ही कार्य सत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा किया है। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने बीआरओ को सशस्त्र बलों का 'ब्रो (भाई)' कहा। उन्होंने कहा कि अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से बीआरओ न केवल भारत की सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, बल्कि दूर-दराज के इलाकों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ■

मोदी स्टोरी

महिला सशक्तीकरणः प्रधानमंत्री मोदीजी के अग्रणी प्रयास

— आनंदीबेन पटेल

जैसाकि भारतीय संसद ने महिला आरक्षण के लिए ऐतिहासिक विधेयक पारित किया है, वैसे ही महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करना हमेशा श्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली का मुख्य आकर्षण रहा है।

यहां तक कि 90 के दशक में गुजरात भाजपा के संगठन मंत्री के रूप में श्री मोदी ने महिलाओं को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया, जो अन्यथा महिलाओं के लिए आरक्षित नहीं थे।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कुछ ऐसे किस्से साझा किया, जहां श्री मोदी ने अलग-अलग समय में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए साहसिक फैसले लिए हैं।

वह मेहसाणा की एक घटना को याद करती हैं जब श्री मोदी ने उस लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारने का फैसला किया था। इससे पहले श्री मोदी ने तब उम्मीदवारों की सूची को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था, जब उन्होंने देखा कि इस सूची में कोई महिला उम्मीदवार शामिल नहीं थी। बाद में श्री मोदी ने स्वयं श्रीमती जयश्रीबेन पटेल के नाम की घोषणा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि वह जीतें। श्रीमती पटेल दो बार जीतीं और लोकसभा में मेहसाणा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

> **श्री मोदी ने यह अनिवार्य कर दिया था कि कम से कम एक महिला को जिला और तालुका में पदाधिकारी का दायित्व दिया जाए। इसी तरह पंचायत और नगर निगम चुनाव में भी मेयर के अलावा कोई आरक्षण नहीं था। तो उसमें भी श्री मोदी ने एक महिला के लिए मेयर, डिप्टी मेयर या स्थायी समिति का अध्यक्ष होना अनिवार्य कर दिया**

एक अन्य घटना में जब श्रीमती आनंदीबेन पटेल गुजरात भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष थीं, तब वह कच्छ में एक बैठक के बाद लौटीं तो उन्हें कई सवालों का सामना करना पड़ा। श्री मोदी ने उनसे पूछा कि बैठक में कितनी महिलाएं उपस्थित थीं, उनकी प्रोफाइल जैसे पारिवारिक पृष्ठभूमि और शिक्षा के बारे में क्या जानकारी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने उनके कामकाज की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली।

जब उनसे पूछा गया कि श्री मोदी यह सब क्यों पूछ रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि यदि विभिन्न क्षेत्रों की महिलाएं बैठक में भाग लेंगी, तो इससे उन्हें जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनकी जमीनी स्तर पर जानकारी मिल जाएगी। उन्होंने अपनी समस्याएं बताने वाली किसान परिवार की महिलाओं, इसी तरह डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कामकाजी महिलाओं का उदाहरण दिया।

वह इन सभी समस्याओं को जानना चाहते थे ताकि जब भाजपा सत्ता में आए तो पार्टी इन समस्याओं को दूर कर सके। श्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को जिम्मेदारियां प्रदान करने को लेकर बहुत सजग थे।

श्रीमती आनंदीबेन एक और किस्सा साझा करती हैं जहां श्री मोदी ने यह अनिवार्य कर दिया था कि कम से कम एक महिला को जिला और तालुका में पदाधिकारी का दायित्व दिया जाए। इसी तरह पंचायत और नगर निगम चुनाव में भी मेयर के अलावा कोई आरक्षण नहीं था। तो उसमें भी श्री मोदी ने एक महिला के लिए मेयर, डिप्टी मेयर या स्थायी समिति का अध्यक्ष होना अनिवार्य कर दिया और यह भी कहा कि इस मानदंड के बिना समिति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ■

केरल भाजपा के पूर्व महामंत्री (संगठन) पीपी मुकुंदन नहीं रहे

वरिष्ठ भाजपा नेता और केरल भाजपा के पूर्व महामंत्री (संगठन) श्री पीपी मुकुंदन का 13 सितंबर को कोच्चि में स्वर्गवास हो गया। वह 77 वर्ष के थे।

उनका स्वर्गवास कोच्चि के अमृता अस्पताल में हुआ, जहां श्री पीपी मुकुंदन का श्वास संबंधी बीमारी का इलाज चल रहा था। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक थे। वह केरल के कन्नूर के रहने वाले थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, "मुकुंदन जी को उनकी सादगी और कड़ी मेहनत के लिए याद किया जाएगा। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग उनकी बुद्धिमत्ता और जमीनी स्तर पर स्थापित उनके संबंधों के लिए उनका सम्मान करते थे। वह ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने केरल में भाजपा को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की। उनके स्वर्गवास से दुःखी हूं।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री पीपी मुकुंदन जी का स्वर्गवास भाजपा परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके पास महान संगठनात्मक कौशल था और उन्होंने केरल में भाजपा को मजबूत करने में बहुत बड़ा योगदान दिया। दुःख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।"

श्री मुकुंदन और श्री सीके पद्मनाभन को त्रिशूर जिला प्रचारक के तौर पर आपातकाल का विरोध करने के लिए 1975 में जेल में डाल दिया गया था। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रदेश भाजपा संगठन मंत्री का दायित्व भी निर्वहन किया। उन्होंने आरएसएस के विभिन्न स्तरों पर कार्य किया। उन्होंने 2005 तक जिम्मेदारी संभाली और वह 2007 तक भाजपा के लिए दक्षिण मंदिर के सचिव भी रहे। ■

कमल पुष्प — सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

टी रामाचार्युलु

श्री टी. रामाचार्युलु 16 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए और जनसंघ के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने पार्टी में विभिन्न पदों पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। 1980 में जब भाजपा का गठन हुआ, तो वह पार्टी में शामिल हो गए और जिला एवं प्रदेश स्तर पर कई पदों पर रहे। उन्होंने 1969 में बांग्लादेश बनाने की मांग को लेकर दिल्ली में आयोजित आंदोलनों में भाग लिया, राजभवन के सामने संयुक्त आंध्र प्रदेश आंदोलन किया, 1973 में विशेष आंध्र आंदोलन का नेतृत्व किया और पार्टी द्वारा आयोजित अन्य सभी आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। 1973 में आपातकाल के दौरान उन्हें मीसा के तहत जेल भी भेजा गया। ■

टी रामाचार्युलु

जन्म: 10 अगस्त, 1927

सक्रिय वर्ष: 1952-1990

जिला: गुंटूर, आंध्र प्रदेश

देश की सेवा दुनिया का नेतृत्व

आज (17 सितंबर) एक विशेष दिन है, एक महान नेता हमारे प्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। सार्वजनिक जीवन में उनकी यात्रा समाज सेवा, राष्ट्रीय विकास और लोगों के कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता द्वारा जानी जाती है। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण, उनके अस्तित्व का प्रत्येक कण, इन महान कार्यों के लिए समर्पित रहा है

जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रगति, विश्वास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक बन गए हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल सिद्धांत पर आधारित उनके नेतृत्व ने न केवल वैश्विक मंच पर भारत का कद ऊंचा किया है, बल्कि उन्हें एक वैश्विक आइकन भी बनाया है। देश की जनता उनके नेतृत्व में अपनी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा होते देख रही है, क्योंकि जनता की सेवा ही प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी है। दुनिया आज उनकी बातें उत्सुकता से सुनती है और उनके नेतृत्व की ओर देखती है। हमारे देश के लोग उनमें जनता की सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को देखते हैं।

सृजन और शिल्प कौशल के देवता के रूप में पूजनीय भगवान विश्वकर्मा की तरह, प्रधानमंत्री श्री मोदी विभिन्न क्षेत्रों में भारत को नया आकार दे रहे हैं। विश्वकर्मा जयंती के इस शुभ दिन पर वह 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का शुभारंभ कर रहे हैं। यह एक ऐसी योजना है जो सुनार, लोहार, कुम्हार, बुनकर और मूर्तिकारों सहित 18 विभिन्न व्यवसायों में लगे छोटे श्रमिकों, कारीगरों और शिल्पकारों को विशेष लाभ देने का वादा करती है। लंबे समय से मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था के हाशिए पर रहे इन गुमनाम नायकों को अब वह मदद मिलेगी, जिसके वे हकदार हैं। इस दूरदर्शी योजना से अगले पांच वर्षों में लगभग तीन मिलियन श्रमिकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक असाधारण और ऐतिहासिक जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जो हमारे देश की समृद्ध संस्कृति, विरासत, समावेशी कूटनीति और विकास की कहानी को बयान करता है। जिस तरह से उन्होंने शिखर सम्मेलन को लोगों की भागीदारी और जुड़ाव के लिए एक मंच में बदल दिया, उससे दुनिया आश्चर्यचकित है। यह देखना बेहद गर्व का क्षण था कि शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता भारत की विविधता और समृद्ध विरासत से कैसे प्रभावित हुए। भारत का आतिथ्य सत्कार और सामरिक कूटनीति की चर्चा अब दुनिया भर में है। जी-20 शिखर सम्मेलन स्थल 'भारत मंडपम' तथा एक भव्य और राजसी आयोजन हर किसी की यादों में बना हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने अपनी संस्कृति और विरासत को विदेश नीति में शामिल करते हुए अभूतपूर्व तरीके से दुनिया के सामने अपना परिचय दिया है। ऐसा दूरदर्शी नेतृत्व महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करता है और उन्हें प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत परतंत्र मानसिकता से निकलकर स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ रहा है। अब हमारे पास एक नया संसद भवन और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक है, जो हमारी संप्रभुता का प्रतीक है। कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा

के अनावरण ने राष्ट्रीय ध्वज को एक नया महत्व दिया है।

भारत को राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुए सात दशक से अधिक समय बीत चुका है, और हाल ही में हमने स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'अमृत काल' मनाया। प्रधानमंत्रीजी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

'आत्मनिर्भर भारत' पहल को लेकर अथक प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भारत मजबूत और सुरक्षित हुआ है। आज भारत हर क्षेत्र में अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज करा चुका है। वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दहलीज पर है।

कोविड-19 के दौरान पूरी दुनिया ने हमारे प्रधानमंत्रीजी का निर्णायक एवं साहसी नेतृत्व देखा। उनकी पहल-प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-जन धन, आधार, मोबाइल (डीबीटी-जेएएम) ने भ्रष्टाचार को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभी लाभार्थियों को उनका हक समय पर सीधे उनके खातों

में प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री ने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान को जय अनुसंधान' के साथ सहजता से एकीकृत किया है।

दुनिया ने हाल ही में चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 की उल्लेखनीय उपलब्धियां देखीं, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की शक्ति को प्रदर्शित करती हैं। 'अमृत काल' के वर्ष में प्रधानमंत्री ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों का सम्मान करके एक सराहनीय कदम उठाया है। 'हर घर तिरंगा' और 'मेरी माटी, मेरा देश' जैसे कार्यक्रम हमारे नागरिकों के बीच एकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय राजनीति ने एक नई दिशा ली है, जिसमें विकास, राष्ट्रवाद और सेवा-उन्मुख नीतियां सबसे आगे हैं। सुशासन आधारशिला है और 'जनभागीदारी' शासन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण की प्रामाणिकता है। उनकी हर पहल नागरिकों के जीवन को छूती है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के सिद्धांत से प्रेरित होकर उनके मार्गदर्शन में देश की अथक सेवा करते हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी, जो एक साधारण पृष्ठभूमि से उठे और अपने रास्ते में कई चुनौतियों का सामना किया, ने अपने कर्तव्यों को पूरा करने में अटूट दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। अवसर आने पर उन्होंने राज पथ को कर्तव्य पथ में बदल दिया। उनके प्रभावी नेतृत्व में देश उन सभी ज्वलंत मुद्दों का स्थायी समाधान खोजने में सक्षम रहा है, जिनके बारे में देशवासियों को कभी विश्वास नहीं था कि उनका समाधान हो सकता है। यह उनके मजबूत राजनीतिक संकल्प और प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि देश धारा 370, भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण, तीन तलाक की समाप्ति, वस्तु एवं सेवा कर को लागू करना आदि जैसे मुद्दों का स्थायी समाधान ढूंढने में सक्षम रहा।

दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृति और सभ्यता में से एक, भारत की संस्कृति और सभ्यता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में नए सिरे से सींचा और परिष्कृत किया गया है।

इससे भारतीय संस्कृति, सभ्यता, योग, आयुर्वेद और परंपराओं के बारे में वैश्विक जिज्ञासा जगी है, जबकि दुनिया हमारी संस्कृति की ओर आकर्षित है, एक 'अहंकारी विपक्षी गठबंधन' हमारे देश की विरासत का अपमान करना जारी रखे हुए है। भारत के लोग, संस्कृति से गहरे जुड़ाव के कारण, इस तरह के अपमान को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। 2009 और 2014 के बीच हमारे देश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा और कई लोगों ने अपने भविष्य के बारे में आशा खो दी थी।

हालांकि, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने से देश की दिशा तेजी से बदलने लगी। लोग यह मानने लगे कि 'मेरा देश बदल रहा है' और 'मोदी है तो मुमकिन है।'

भाजपा अपने सर्वोच्च नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सिद्धांतों पर दृढ़ता से कायम है, क्योंकि वह लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में काम करती है। उनके नेतृत्व से प्रेरित होकर लोग भारत के पुनरुत्थान के लिए उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर), जिसे सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, के अवसर पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

लोगों को भारत को एकजुट रखने वाले सनातन को तोड़ने वालों से सचेत रहना चाहिए: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के बीना में 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 सितंबर को मध्य प्रदेश के बीना में 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। परियोजनाओं में 49,000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किये जाने वाले भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, नर्मदापुरम जिले में एक बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र; इंदौर में दो आईटी पार्क; रतलाम में एक मेगा औद्योगिक पार्क तथा मध्य प्रदेश में छह नए औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की परियोजनाएं क्षेत्र के विकास को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार इन परियोजनाओं पर 50 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है जो देश के कई राज्यों के बजट से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि यह मध्य प्रदेश के लिए हमारे संकल्पों की विशालता को दिखाता है।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश के प्रत्येक नागरिक ने भारत को विकसित देश में बदलने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के महत्व को रेखांकित करते हुए आयात को कम करने पर बल दिया और बताया कि भारत पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ पेट्रोकेमिकल उत्पादों के लिए विदेशों पर निर्भर है। श्री मोदी ने बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पेट्रोकेमिकल उद्योग में आत्मनिर्भर की दिशा में एक कदम आगे होगा।

विनिर्माण क्षेत्र के महत्व के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने आज 10 नई औद्योगिक परियोजनाओं पर काम शुरू होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम, इंदौर और रतलाम की परियोजनाओं से मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास में वृद्धि होगी, जिससे सभी को लाभ मिलेगा।

श्री मोदी ने हाल ही में बने गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी नीतियां भारतीय मूल्यों पर हमला करने और हजार वर्ष पुरानी विचारधारा, सिद्धांतों और परंपराओं को नष्ट करने तक सीमित हैं, जो सभी को एकजुट करने का काम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने सनातन की शक्ति का उल्लेख किया, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं को प्रेरित किया, जिसमें संत रविदास, माता शबरी और महर्षि वाल्मीकि परिलक्षित हुए। उन्होंने उन लोगों के खिलाफ चेतावनी दी जो सनातन को तोड़ना चाहते हैं जिसने भारत को एकजुट रखा है और लोगों को ऐसी प्रवृत्तियों के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया।

मध्य प्रदेश में निर्धनों के लिए 40 लाख पक्के मकान

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा निरंतर प्रयत्न है कि मध्य प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुए, मध्य प्रदेश के हर परिवार का जीवन सरल हो, हर घर में समृद्धि आए। मोदी की गारंटी का ट्रैक रिकॉर्ड आपके सामने है। उन्होंने राज्य में निर्धनों के लिए 40 लाख पक्के मकान और शौचालय, निःशुल्क इलाज, बैंक खाते और धुआं रहित रसोई की गारंटी पूरी करने की जानकारी दी।

श्री मोदी ने बिचौलिए को खत्म करने का उल्लेख किया, जिससे प्रत्येक लाभार्थी को पूर्ण लाभ सुनिश्चित हुआ और पीएम किसान सम्मान निधि का उदाहरण दिया, जहां प्रत्येक लाभार्थी किसान को सीधे उसके बैंक खाते में 28,000 रुपये मिले हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि सरकार ने इस योजना पर 2,60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा व्यय किये हैं।

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 9 साल में किसानों की लागत घटाने और कम दाम पर खाद उपलब्ध कराने के प्रयास किए हैं और 9 साल में 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा व्यय होने की जानकारी दी।

संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को शीर्ष-3 बनाने में मध्य प्रदेश बड़ी भूमिका निभाएगा और रेखांकित किया कि किसानों, उद्योगों और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। ■

'झूठा प्रचार और आकंठ भ्रष्टाचार यही छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार की पहचान'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 सितंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने विकास का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार तो छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही, लेकिन यहां की कांग्रेस सरकार विकास में नहीं, बल्कि हवा-हवाई बातों और दावों में जुटी हुई है। केंद्र की भाजपा सरकार बीते 9 वर्षों में देशभर के गरीब परिवारों को करीब 4 करोड़ घर दे चुकी है, लेकिन कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ में गरीबों के पक्के घर नहीं बनने दे रही है। महिला कल्याण हो, पीएम स्वनिधि योजना हो, हर घर जल योजना हो, गरीब कल्याण से लेकर युवा कौशल और रोजगार की हर योजना में कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को बहुत पीछे पहुंचा दिया है। कांग्रेस सरकार गरीब कल्याण में भले ही बहुत पीछे हो, लेकिन भ्रष्टाचार में लगातार आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस सरकार के घोटाले और भ्रष्टाचार पर चोट करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेता जिस तरह घोटालों की राजनीति करते हैं, उनसे सिर्फ उनकी ही तिजोरी भरती है। आप कल्पना कीजिए, अगर कोई गाय के गोबर में भी भ्रष्टाचार करे, तो उसकी मानसिकता क्या होगी। छत्तीसगढ़ की बहनों से वादा तो शराबबंदी का किया गया था, लेकिन कांग्रेस ने शराब की बिक्री में ही घोटाला कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद था कि जिन जिलों से खनिज संपदा निकलती है, उसका एक हिस्सा उसी क्षेत्र के विकास में लगे और हमारे आदिवासी बहनों-भाइयों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले, लेकिन यहां की भ्रष्ट कांग्रेस सरकार ने इसको भी नहीं छोड़ा। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को कांग्रेस सरकार एटीएम के रूप में उपयोग कर रही है। झूठा प्रचार और आकंठ भ्रष्टाचार—यही छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार की पहचान बन गई है।

50 साल से भी पहले कांग्रेस ने देश से गरीबी हटाने की गारंटी दी थी। अगर कांग्रेस अपना काम ठीक से करती, तो आज हमको इतनी मेहनत न करनी पड़ती। हमने देश के गरीबों को सशक्त बनाने की गारंटी दी थी और आज आप इसके परिणाम देख रहे हैं। सिर्फ 5 वर्षों में ही साढ़े 13 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर आए हैं

उन्होंने कहा कि 50 साल से भी पहले कांग्रेस ने देश से गरीबी हटाने की गारंटी दी थी। अगर कांग्रेस अपना काम ठीक से करती, तो आज हमको इतनी मेहनत न करनी पड़ती। हमने देश के गरीबों को सशक्त बनाने की गारंटी दी थी और आज आप इसके परिणाम देख रहे हैं। सिर्फ 5 वर्षों में ही साढ़े 13 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर आए हैं। ये इसलिए हुआ, क्योंकि भाजपा सरकार ने गरीब के हित में योजनाएं बनाईं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचे। आज मुफ्त राशन हर लाभार्थी तक, हर गरीब तक, बिना किसी घोटाले के पहुंच रहा है। कुछ दिन पहले ही उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सिलेंडर 400 रुपये सस्ता किया गया है। केंद्र सरकार ने 75 लाख नए उज्ज्वला कनेक्शन देने को भी मंजूरी दी है। इसका बहुत बड़ा लाभ छत्तीसगढ़ की हमारी बहनों-बेटियों को होने जा रहा है।

सनातन संस्कृति पर हमला करने वालों पर बोलते हुए श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के लोगों को याद दिलाया कि यह वो पावन भूमि है, जहां श्रीराम का ननिहाल है। उन्होंने कहा कि आज इस पवित्र भूमि से आप सभी को हमारी आस्था और देश के खिलाफ हो रही साजिश के प्रति जागरूक करना चाहता हूं। आपने जिन्हें पिछले 9 सालों से केंद्र की सत्ता से बाहर कर रखा है, वो अब इतनी नफरत से भर गए हैं कि आपकी पहचान और संस्कृति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन लोगों ने एक इंडी गठबंधन बनाया है, जिसे कुछ लोग घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं। इसकी मंशा देश की सनातन संस्कृति को समाप्त करने की है। यानी जो संस्कृति हजारों साल से भारत को एक किए हुए है, सत्ता के लालच में ये अब उसे तोड़ना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति वो है—जिसमें भगवान राम शबरी के न केवल जूठे बेर खाते हैं बल्कि उन्हे मां कहकर बुलाते हैं। सनातन संस्कृति वो है—जहां श्रीराम, केवट को गले लगाकर धन्य हो जाते हैं और वानरों की सेना श्रीराम की शक्ति बढ़ाकर लंका विजय का कारण बनती है। गांधीजी से लेकर स्वामी विवेकानंद तक, मां अहिल्याबाई होल्कर से लेकर मीरा बाई तक, हजारों साल से सनातन धर्म और संस्कृति हर किसी को प्रेरित करती रही है। ये सनातन संस्कृति ही है, जो रविदास और कबीरदास को संत शिरोमणि कहकर गौरव बढ़ाती है। ■

प्रधानमंत्री मोदी 76 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग के साथ 'सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता': सर्वेक्षण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 76 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ फिर एक बार सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं।

16 सितंबर, 2023 को मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी 'ग्लोबल लीडर अप्रूवल' सर्वेक्षण के अनुसार बाइडेन प्रधानमंत्री श्री मोदी की अप्रूवल रेटिंग सूची में द्वितीय स्थान पर रहने वाले स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति एलेन बर्सेट से 12 प्रतिशत अंक अधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन 40 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ सूची में सातवें स्थान पर हैं, जो मार्च के बाद से उनकी उच्चतम रेटिंग है।

विशेष रूप से 6-12 सितंबर, 2023 तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार श्री मोदी की सूची में सबसे कम अस्वीकृति रेटिंग है, जो केवल 18 प्रतिशत है।

इस सूची में शीर्ष 10 नेताओं में कनाडा के जस्टिन ट्रूडो की अस्वीकृति रेटिंग सबसे अधिक 58 प्रतिशत है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता विश्व नेताओं के बीच अद्वितीय बनी हुई है! मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि है जो अत्यंत निःस्वार्थ भाव से उनकी सेवा करने के समर्पण से उपजा है। यह सर्वेक्षण विदेश नीति, सामाजिक कल्याण और हमारे देश को वैश्विक शक्ति बनाने में प्रधानमंत्री मोदी जी की शानदार सफलताओं को दर्शाता है।" ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................ (2)..............................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :................................ दिनांक :.......................... बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे। (हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

रायगढ़ (छत्तीसगढ़) में 14 सितंबर, 2023 को एक विशाल रैली में जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

बीना (मध्य प्रदेश) में 14 सितंबर, 2023 को 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

संसदीय सौध (नई दिल्ली) में 18 सितंबर, 2023 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 19 सितंबर, 2023 को पुरानी संसद से नए संसद भवन की ओर पैदल जाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अन्य सांसद

भारत मंडपम (नई दिल्ली) में 22 सितंबर, 2023 को जी-20 शिखर सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 17 सितंबर, 2023 को यशोभूमि तक दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार के उद्घाटन से पहले मेट्रो की सवारी के दौरान यात्रियों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 29 सितम्बर, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह